गऐ । चरखी दादरी से कंवल दास रोड़ के बेटे कांदू के नाम से कादियाण गोत्र के रोड़ और कादियान गोत्र के जाट हुऐ । बादली राज्य झझर में रोहतक गजटियर बोलुम III 1910 ई॰ में. कादियान गोत्र के जाटों के ग्यारह गांव हैं ।

26. टूरण गोत्र :-गद्दी उदयपुर धर्म क्षत्रिय,जुंण्डला से छिछड़ाना पोपड़ा, गांगाटेड़ी, कोल खेड़ा, जौली, अहलण, बड़थल सिरसल बसताड़ा,बाम्बरेहड़ी, में आबाद हो गऐ । जुण्डला से किन्तु रोड़ के दो बेटे टुरू और पुरू हुऐ । पुरू की सन्तान जोगी हो गऐ टूरण की सन्तान के टूरण गोत्र के रोड़ हुऐ । गोयन्द्र गांव से उठकर टूरण गांगाटेहड़ी पोपड़ा गांव में आबाद हो गया ।

27. झोझरू गोत्र:- गद्दी उदयपुर धर्म क्षत्रिय, अजमेर से उठकर बादली राज्य से औसरी, ऐबल ऐबली, खानपुर में आबाद हो गऐं ।सोमेश्वर का पृथ्वी राज चौहान इसी पीड़ि में आगे चल कर बादली राज्य से चौहान वंश के जयसिंह के बेटे झिन्झा के नाम पर झोझरू गोत्र रोड़ों का हुआ । जय सिंह के दूसरे भाईयो के आलसी राव खांडा, जगननाथ काकू राव की सन्तान चौहान राजपूत हुऐ ।

28.. भकोरू गोत्र:-धर्म क्षत्रिय गद्दी अजमेर, अजमेर से बराना, लुहारी, कुंजपुरा, बाम्बरेहड़ी, माजरा में आबाद हुये । सोमेश्वर के बेटे पृथ्वी चौहान के इसी वंश में आगे चलकर बादली से भिकारी सिंह के नाम से भकोरू गोत्र रोड़ों में हुआ ।

29. रायतान गोत्र:- गददी अयोध्या धर्म क्षत्रिय, कन्याणे से बादली राज्य से मथाना, अहमदपुर,खानपुर,बसताड़ा, सिद्वपुरा, बजीदपुर में आबाद हो गये । बादली से रतन का बेटा रायतास के नाम से रायतान गोत्र रोड़ों में हुआ ।

30. चुहलान गोत्र:- गद्दी उदयपुर धर्म क्षत्रिय, कैथल, कलायत हरसोला, राजौद, बाहरी, बघाना में आबाद हो गये । कलायत से उठ कर रायतास के बेटे चौहल सिंह के नाम से चुहलान गोत्र



रोड़ों का हुआ ।

31. सिरदा गोत्र:-गददी उदयपुर धर्म क्षत्रिय, गढ़ चितौड़ से धथेड़ा, कुन्जपुरा, करनाल, भाणा में आबाद हो गये । सरदार सिह के नाम पर रोड़ों का सिरदा गोत्र हुआ ।

32. ढांडाण गोत्र:-गद्दी गढ़ अम्बेर धर्म क्षत्रिय, गढ़ अम्बेर से बादली से टयोंठा, टांडा, संटौण्डी, मुन्दढ़ी, संगरोली, छछड़ाना में आबाद हो गये । गढ़ अम्बेर से सोंगल सिंह के बेटे ढांडू के नाम से रोड़ों का ढाडाण गोत्र हुआ ।

33. मोला गोत्र:-गद्दी गढ़ अम्बेर धर्म क्षत्रिय, गढ़ अम्बेर से उमरी, जिखड़ी, मथाना में आबाद हो गये । गढ़ अम्बेर से उठ कर मान सिंह के बेटे मोलू के नाम पर रोड़ों का गोत्र मोला हुआ ।

34. बेनिवाल गोत्र:-गददी उदयपुर धर्म क्षत्रिय, गढ़ अम्बेर से खानपुर, जलालाबाद में आबाद हो गये । बादली से चाचा के बेटे भवानी दास के नाम से रोड़ों में बेनिवाल गोत्र हुआ ।

35. कांदल गोत्र:-गददी उदयपुर धर्म क्षत्रिय,लाठरो माजरा, दादूपुर में आबाद हुये। कांदू मल के नाम से रोड़ों का कांदल गोत्र हुआ।

36. घोलिया गोत्र:- गददी उदयपुर धर्म क्षत्रिय गढ़ अम्बेर से बादली राज्य से गोन्द्र, माजरा, घोलपुरा, तरावड़ीं, में आबाद हुये । 1095 ई॰ को बादली से महली के बेटे घोलिया के नाम से रोड़ों का घोलिया गोत्र हुआ ।

37. बतान गोत्र:- गद्दी उदयपुर धर्म क्षत्रिय, गढ़ अम्बेर से बादली राज्य से लाखनौर, धथेड़ा, बरसाना, बताणखेंड़ी, राम नगर में आबाद हो गये । 1102 ई॰ को बाघा के बेटे बित्तू नें बादली से उठ कर बतान खेड़ी गांव बसाया । इस गांव के नाम पर ही इनका गोत्र बतान हुआ ।

38. घीयड़ गोत्र:- गददी जयपुर धर्म क्षत्रिय, जयपुर से शेरा, कलसी, मानसापुर, बेलड़ा, बेलड़ी, रहमतपुर, रावली, डालूवाला,

बजीदपुर, पंडोली, रांघड़वाला, दरियापुर, भौरी भोजपूर में आबाद हो गये। चन्द्र भान का बेटा घीड़ के नाम पर ही रोड़ों का घीयड़ गोत्र हुआ ।

39. गुछला गोत्रः-गददी अयोध्या धर्म क्षत्रिय, भोजपुर, पांडोखेड़ी चौरा, कुतुबगढ़, सोहलपुर, मानूवास, में आबाद हो गये । बादली के सोंड़ देव के बेटे गुच्छू के नाम से रोड़ों का गुछला गोत्र हुआ ।

40. मड गोत्रः-गददी अयोध्या धर्म क्षत्रिय, बादली से मोरखी 1208 ई॰ मलसरी खेड़ा, कारखाना, में आबाद हो गये । बिन्जल देव के बेटे तवलब्रह्म की सन्तान मड गोत्र के रोड़ हुये ।

41. मनियाल गोत्रः-गद्दी उदयपुर धर्म क्षत्रिय, लुहारी, सुताना शेखपुरा में आबाद हो गये । बादली से मनोहर की सन्तान मनियाल गोत्र के रोड़ हुये ।

42. बालदा गोत्रः-गददी उदयपुर धर्म क्षत्रिय, बादली से 1208 ई॰ को ढाठरथ, भोजपुर, बेलड़ा,कुराना, पाबला, बराणा, गिनाणा,सांच हाबड़ी बाम्बरेहड़ी में आबाद हो गये । बादली से बिन्जल देव के बेटे बलभद्र की सन्तान बालदा गोत्र के रोड़ हुये ।

43. सगवाल गोत्रः- गददी उदयपुर धर्म क्षत्रिय, बादली से संगोया से कौल, गोशगढ़ झिवरहेड़ी में आबाद हुये । संगोया के सांगू से सगवांल गोत्र के रोड़ हुये ।

44. खरंगड़ गोत्रः- गद्दी उदयपुर धर्म क्षत्रिय,गढ़ अम्बेर से बादली से कारसा, खेड़ी, पुण्डरी,कुतुबगढ़, कुटेल, खरकाली गिनाणा, टयोठा,शेखपुरा, अलुपुर, रिडलं, फूसगढ़, शाहपुर हरिद्वार, मिर्जापुर, करनाल, रावली, सोहलपुर, में आबाद हो गये । गढ़ अम्बेर से खरंगढ़ से रोड़ों का खरंगढ़ गोत्र हुआ । खरंगड़ ने रोहतक जिले में खरखोदा गांव बसाया ।

45. लहरवाल गोत्रः- गददी उदयपुर धर्म क्षत्रिय, गढ़ अम्बेर से



बादली से कमालपुर, अरजाहेड़ी, शामगढ़,जगाघरी, रांघड़वाला, बड़सालू में आबाद हो गये । रायलसी के बेटे लहरी सिह के नाम से रोड़ों का लहरवाल गोत्र हुआ ।

46. बालान गोत्रः-गद्दी अयोध्या धर्म क्षत्रिय, गढ़ अम्बेर से बादली से बेलड़ा में आबाद हुये । बलवीर चन्द के नाम से रोड़ों का बालान गोत्र हुआ ।

47. लाठर गोत्रः-गद्दी उदयपुर धर्म क्षत्रिय, शटौण्डी, भौंरी शामगढ़ में आबाद हो गये । लाटू के दो जोघासिंह और बलिया सिंह थे। बलिया रोड़ की सन्तान लाठर गोत्र के रोड़ हुये । जोघासिंह की सन्तान लाठर गोत्र के जाट हुये ।

48. डाबड़ा गोत्रः-गददी गढ़ अम्बेर धर्म क्षत्रिय गढ़ अम्बेर से बादली से आहुं, सांच,गढ़ी,करनाल, दरड़, शेखपुरा, बरास, काला माजरा,बेरी खेड़ी, थानेसर में आबाद हो गये । गढ़ अम्बेर के धारी सिंह का बेटा डालू के नाम पर रोड़ों का गोत्र डाबड़ा हुआ ।

49. सिंगारिया गोत्रः-गद्दी उदयपुर धर्म क्षत्रिय, गढ़ अम्बेर से बादली से अहर, कमालपुर, बजीदा, में आबाद हो गये । बादली से सीछन के बेटे सिंगारू के नाम से रोड़ों का सिंगारियां गोत्र हुआ ।

50. टाया गोत्रः-गद्दी अयोध्या धर्म क्षत्रिय, बादली से साकरा रसीना, अहमदपुर,बाम्बरेहड़ी,थराणा, साकरा, खेड़ी,गुघा आलमपुर, रावली में आबाद हो गये । बादली के उदय सिंह के बेटे टूहीया के नाम से रोड़ों का टाया गोत्र हुआ ।

51. कापसा गोत्रः-गद्दी उदयपुर धर्म क्षत्रिय,गढ़ अम्बेर से बादली से शाहपुर, बुखापरी, मथाना, कारसा में आबाद हो गये । गढ़ अम्बेर बादली के मलेसी के बेटे कापर सिंह के नाम पर रोड़ों का कापसा गोत्र हुआ ।

52. मलगस गोत्रः- गद्दी उदयपुर धर्म क्षत्रिय,कलयात से सांवत,चोचड़ा में आबाद हो गये । मलंग सिंह ने मलगस गांव बसाया । इसी गांव के नाम से रोड़ों का मलगस गोत्र हुआ ।

53. दंदाल गोत्रः-गद्दी गढ़ अम्बेर धर्म क्षत्रिय,गढ़ अम्बेर से बसतली, सोलू माजरा, ऐबल, ऐबली, में आबाद हो गये । बादली के भानू के दून्दी बेटे से रोड़ों का दंदाल गोत्र हुआ ।

54. कन्यान गोत्रः-गद्दी उदयपुर धर्म क्षत्रिय, बादली से मथाना, सांवत, बहलोलपुर,टयोंठा, जाम्बा, ज्याणी, कुंजपुरा, खेड़ी रामनगर में आबाद हो गये । बादली से तवलब्रह्म के बेटे कालू ने कन्यान गांव आबाद किया । जिससे निकलनें वाले कन्यान कहलाये ।

55. चोपड़ा गोत्रः-गद्दी उदयपुर धर्म क्षत्रिय,गढ़ अम्बेर से बादली से खण्डरा, बेलड़ा, डाकवाला, रूकनपुर, सुलतापनुर, नर्कातारी, मीरपुर में आबाद हो गये। बादली से चाचा जी के नाम से रोड़ों का गोत्र चोपड़ा हुआ ।

56. घूचाण गोत्रः-गद्दी हरिणा धर्म क्षत्रिय, गढ़ आमेर से बादली से उजारा में आबाद हुये । बादली से धनू सिंह की सन्तान का गोत्र घूचाण हुआ ।

57. चूहलान गोत्रः-गद्दी हरिणा धर्म क्षत्रिय, गढ़ आमेर से बादली से मुन्दड़ी में आबाद हो गये । चाचा जी की सन्तान का गोत्र चूहलान हुआ ।

58. गोरा गोत्रः-गद्दी हरिणा धर्म क्षत्रिय गढ़ आमेर से बादली से मुन्दड़ी, सिरसी में आबाद हो गये । बादली से गुजराज का बेटा गोरा के नाम से गोरा गोत्र रोड़ हुआ ।

59. दूदान गोत्रः-गद्दी उदयपुर धर्म क्षत्रिय,गढ़ आमेर से उठकर बादली ये दादूपुर पुण्डरी,ऐंचरा में आबाद हो गये । राजा मलेसी का बेटा दूदाजी जिसके नाम से दूदान गोत्र रोड़ हुआ ।

60. कांयरा गोत्रः- गद्दी गढ़ आमेर धर्म क्षत्रिय गढ़ आमेर से



बादली से गोरगढ़, कोयर, साकरा में आबाद हो गये । बादली से सोंगल सिंह का बेटा कांयर सिंह के नाम से कांयरा गोत्र रोड़ों को हुआ ।

61. रूहलान गोत्रः-गददी उदयपुर धर्म क्षत्रिय, गढ़ आमेर से बादली से बड़थल, डोड कारसा, बुच्ची, सुभरी, फतुपुर में आबाद हो गये । बादली से हेम सिंह के दो बेटे राज देव और भोजदेव हुये। भोजदेव गांव बड़थल से उठकर गांव गुन्है बैठा जिसके रूहलानं गोत्र के जाट हुये । राजदेव बड़थल से उठकर डोड कारसा बैठा जिसके रूहलान गोत्र के रोड़ हुये ।

62. कांगर गोत्रः-गद्दी उदयपुर धर्म क्षत्रिय गढ़ आमेर से बादली राज्य से खनोदा संगरोली, मोहना,बाकिपुर करनाल, हसनपुर,दिवालहेड़ी में आबाद हो गये । बादली से अड़सी के बेटे कांगा के नाम से कांगर गोत्र रोड़ हुये ।

63. ठरड़क गोत्रः-गद्दी उदयपुर धर्म क्षत्रिय गढ़ दिल्ली से बादली राज्य से बन्दराना, खानपुर, गिनाणा, भरठौली, मंजूरा, रावली, मेंआबाद हो गये । गढ; दिल्ली के कर्म पाल के बेटे ठोरी के नाम से ठरड़क गोत्र रोड़ों का हुआ ।

64. कहनवाल गोत्रः-गद्दी उदयपुर धर्म क्षत्रिय बादली राज्य से कैमला, हैबतपुर, सताना, महाखेड़ी, तिगरी, अहर,वेवड़माजरा,कंवार खेड़ी,शादीपुर,इन्नसपुर खन्नोदा में आबाद हो गये । बादली से तलवब्रह्म के बेटे कान्हू से कहनवाल गोत्र रोड़ों का हुआ ।

65. ढांकर गोत्रः- गद्दी उदयपुर धर्म क्षत्रिय बादली राज्य से कैमला,बुटाना, करनाल, में आबाद हैं । बादली के तवलब्रह्म के बेटे ढक्कन सिंह के नाम से ढांकर गोत्र रोड़ों का हुआ ।

66. ढाकला गोत्रः-गद्दी उदयपुर धर्म क्षत्रिय,गढ़ अम्बेर से बादली राज्य से सटौंण्डी, फरीदपुर में आबाद हो गये । बादली सें अढ़सी के बेटे ढाकू के नाम से ढाकला गोत्र रोड़ों का हुआ ।

67. कन्दोल गोत्र:-गद्दी उदयपुर धर्म क्षत्रिय, बादली राज्य से बाल रांगड़ान, अलुपुर, खलीला, गढ़ी, खुखराना, खेड़ी उपलानी, कुटेल, खरकाली, हरिसिंहपुर, संगरोली में आबाद हो गये । गढ़ अम्बेर से भूरू का बेटा कोदल के नाम से कंदोल गोत्र रोड़ों का हुआ ।

68. खसबर गोत्र:-गद्दी उदयपुर धर्म क्षत्रिय,शामगढ़ संढीर,छोटी दादूपुर, तरावड़ी, टयोंठा, मोहना, कमालपुर, अलुपुर ऊटला, अहर ऐंचरा, में आबाद हो गये । गढ़ अम्बेर से बलसिंह का बेटा खास्सू के नाम से खसबर गोत्र रोड़ों का हुआ ।

69. भाकला गोत्र:-गद्दी हरिणा-धर्म क्षत्रिय,गढ़ अम्बेर से बादली राज्य से ऐबला,ऐबली, कुटेल में आबाद हुयें । बादली के अड़सी के बेटे भिक्कू हुआ । जिसके नाम से भाकला गोत्र रोड़ों का हुआ ।

70. राणा गोत्र:-गद्दी हरिणा धर्म क्षत्रिय, राम राय से बेलड़ा चन्द्र भानपुर, भैसराऊ में आबाद हो गये । राणा हर राय के नाम से राणा गोत्र रोड़ों का हुआ ।

71. नाडान गोत्र:-गद्दी अयोध्या धर्म क्षत्रिय बादली राज्य से करनाल भैंसवाल, पाबला, सलेमपुर, बढ़ेडा में आबाद हो गये । बादली के नर हर से नाडान गोत्र रोड़ों का हुआ ।

72. झाकला गोत्र:-गद्दी अयोध्या धर्म क्षत्रिय,झंझाड़ी बढ़ेड़ा में आबाद हो गये । झाकू के नाम से झाकला गोत्र रोड़ों का हुआ

73. सांडयान गोत्र:-गद्दी अयोध्या धर्म क्षत्रिय , बादली राज्य (रोकतक जिला झझर जिला)से सांभली, पलवल, खानपुर, खाशपुर, में आबाद हुये । बादली के बोद्व के बेटे सूडवाल जिसके नाम से सांडयान गोत्र हुआ

74. बोदला गोत्र:-गद्दी अयोध्या धर्म क्षत्रिय गढ़ अम्बेर से बादली राज्य से पबनावा, सलोणी, बीर माजरा, रसोंला में आबाद हो



गये। बादली के बदलू सिंह के नाम से बोदला गोत्र रोड़ों का हुआ।

75. टामक गोत्र:-गद्दी अयोध्या -धर्म क्षत्रिय, गढ़ अम्बेर से बादली राज्य से पबनावा, खुखराना, बलाणा, सुताणा नैण में आबाद हो गये ।

76. झरोटिया गोत्र:-गद्दी हरिणा धर्म क्षत्रिय,बादली से फरल,से कोण्ड से गुढ़ा में आबाद हुये । बादली के हरिराज का बेटा झरोटिया के नाम से झरोटिया गोत्र रोड़ों का हुआ ।

77. दलपते गोत्र:-गद्दी हरिणा धर्म क्षत्रिय, अमीन, बीड़ अमीन, रायपुर रोड़ान, बराणी, सुलतानपुर, चन्द्रभानपुर, मंथाना, निडाना, शाहपुर में आबाद हो गये । राणा हर राय के बारह बेटे थे । ज्येष्ठ पुत्र दीपचन्द चौहान मुहाणा गांव की महला गोत्र की लड़की से इनका जन्म हुआ । अभिमन्युपुर (अमीन) के शासक राणा हर राय के बेटे दीपचन्द्र के नाम से दलपते गोत्र रोड़ों का हुआ । चौहान वंश के संस्थापक भी दीपचन्द चौहान थे । जो माऊट आबू यज्ञ के सामने बैठने वाले चार बीरों में एक था। राणा हर राय के आठ बेटे राजपुतनी से हुये जो राजपूत कहलाये। जाटनी का बेटा मान हुआ । जिसके नाम से मान गोत्र के जाट हुये ।

78. कल-तगरा गोत्र:-गद्दी गड़ दिल्ली धर्म क्षत्रिय,गढ़ दिल्ली से बादली राज्य से करनाल, सांच, पांडोखेड़ी, बन्दराना, जुण्डला, शाहपुर में आबाद हो गये । दिल्ली गढ़ से कालू सिंह के नाम से कल-तगरा गोत्र रोड़ों का हुआ ।

79. दहलान गोत्र:-गद्दी राम राय भन भौरी धर्म क्षत्रिय राम राय भन भौरी से सुताना, हाबड़ी में आबाद हो गये । राम राय भन भौरी के जिन्दड़ सिंह का बेटा दहलन के नाम से दहलान गोत्र रोड़ों का हुआ ।

80. डूडमान गोत्रः-गद्दी मंडावर धर्म क्षत्रिय, मंडावर गढ़ से पुण्डरी, बुढनपुर, अलीपुर, हरिसिंहपुर, पलहेड़ी, गोशगढ़, अहर, खलीला में आबाद हो गये । बादली से बांडू का बेटा डूमनसी के नाम से डूडमान गोत्र रोड़ों का हुआ ।

81. बड़सर गोत्रः-गद्दी राम राय भन भौरी धर्म क्षत्रिय, राम राय से दथेड़ा, करनाल, कुछपुरा, मिजीपुर, बालू, झिंवरहेड़ी कलहेड़ी, न्यावड़ माजरा, राम राय भन भौरी के बलालदे के नाम पर बड़सर गोत्र रोड़ों का हुआ ।

82. लाम्बा गोत्रः-गद्दी गढ़ अम्बेर धर्म क्षत्रिय ,गढ़ अम्बेर से बराना में आबाद हो गये । गढ़ अम्बेर से बीथल के नाम से लाम्बा गोत्र रोड़ों का हुआ ।

83. बोड़ा गोत्रः-गद्दी अयोध्या धर्म क्षत्रिय, ज्ञाना माजरा में आबाद हो गये ।

84. दिनदयाल गोत्रः-गद्दी हरिणा -धर्म क्षत्रिय बादली से ऐबला, बस्तली, सोल्हों, शामगढ़ में आबाद हो गये । बादली के दलेल सिंह के नाम से रोड़ों का दिनदयाल गोत्र हुआ ।

85. मेपला गोत्रः-गद्दी पंजाब -धर्म क्षत्रिय, अम्बाला, जगाधरी नरायणगढ़, में आबाद हो गये । ईब्बटसन रिर्पोट न०55

86. कुकांण गोत्रः-गद्दी उदयपुर धर्म क्षत्रिय बादली राज्य से बाम्बरेहड़ी, शामगढ़ में आबाद हो गये ।

87. मोकल गोत्रः-गद्दी उदयपुर-धर्म क्षत्रिय,ये बहलोलपुर, झीवरहेड़ी, कूंजपुरा में आबाद हो गये ।

88. ढढण गोत्रः-गद्दी उदयपुर-धर्म क्षत्रिय, टयोंठा, सटौण्डी, मुन्दढ़ी, संगरोली में आबाद हो गये ।

89. लोडकान गोत्रः-गददी अयोध्या -धर्म क्षत्रिय, बेलड़ी रांघड़वाला, पंडोली, लाखनौर, भोजपुर, भैंस राऊ, पड़वाल, नगला रोड़ान, मानूवास, बेलड़ा में आबाद हो गये।



90. मेमैन गोत्रः-गद्दी अयोध्या -धर्म क्षत्रिय, बादली से रसूलपुर पुण्डरी, छिछड़ाना, डाकवाला में आबाद हो गये ।

91. दहिया गोत्रः-गद्दी हरिणा -धर्म क्षत्रिय बादली से गुढ़ा में आबाद हो गये ।

92. बाऊ गोत्रः-गद्दी उदयपुर -धर्म क्षत्रिय उदयपुर से बादली राज्य से कून्जपुरा, न्यावल, शामगढ़ में आबाद हो गये ।

93. गुलिया गोत्रः-गद्दी उदयपुर- धर्म क्षत्रिय बादली से धोलपुरा, डिंगर माजरा, तरावड़ी, कोरमाजरा, कालरम में आबाद हो गये रोहतक डीस्ट्रीकट गजटिया बोलुम 111ए सन् 1910 पृ० 70 पर अब भी बादली (झझर) में 20 गांव गुलिया गोत्र के जाट आबाद हैं ।

94. केश्वर गोत्रः- (खसबर) गद्दी हरिणा, -धर्म क्षत्रिय, बादली से दादुपुर, गुल्लरपुर, फरल, मोहणा, टयोंठा, पूण्डरी, नर्कातारी, अलूपुर अहर, ऐचरा टांडा, जुण्डला, निलोखेड़ी, संडीर, कमालपुर में आबाद हो गये ।

95. छाछरा गोत्रः-गद्दी हरिणा -धर्म क्षत्रिय छिछड़ाना, डाकवाला में आबाद हो गये ।

96. अतरी गोत्रः-गददी हरिणा -धर्म क्षत्रिय, कुंजपुरा में आबाद हो गये ।

97. मढ़ोत्रा गोत्रः-गद्दी हरिणा,-धर्म क्षत्रिय, कमालपुर में आबाद हो गये ।

98. राय गोत्रः-गद्दी हरिणा-धर्म क्षत्रिय, सिद्धपुर में आबाद हो गये।

99. जोझण गोत्रः-गद्दी उदयपुर-धर्म क्षत्रिय, ऐबला, ऐबली में आबाद हो गये ।

100. धनखड़ गोत्रः- गद्दी उदयपुर-धर्म क्षत्रिय, रमाणा, बुटाणा, पंजोखरा में आबाद हो गये ।

101. दावणे गोत्र:-गद्दी हरिणा-धर्म क्षत्रिय, शेखपुरा में आबाद है ।

102. कैन्दल गोत्र:-गददी उदयपुर-धर्म क्षत्रिय, लाठरों में आबाद हैं ।

103. दुधियान गोत्र:-गद्दी उदयपुर-धर्म क्षत्रिय, अमरगढ़ में आबाद हैं

104. रोड़ वंशी गोत्र:-गद्दी पंजाब -धर्म क्षत्रिय, माजरा, कालूवास, दसेरपुर में आबाद हैं ।

105. डमयाण गोत्र:-गद्दी हरिणा-धर्म क्षत्रिय, गोशगढ़ में आबाद है।

106. मसानिया गोत्र:-गद्दी हरिणा-धर्म क्षत्रिय, नागल, दादूपुर खुर्द में आबाद है ।

107. धीमर गोत्र:-गद्दी हरिणा -धर्म क्षत्रिय, बकड़ोली, कलसी में आबाद हैं । हरिणा पंजाब के जिला होशियार पुर मे एक शहर है ।

108. गणक गोत्र:-गद्दी हरिणा-धर्म क्षत्रिय, निलोखेड़ी, में आबाद हैं

109. डोमीयाण गोत्र:-गद्दी हरिणा-धर्म क्षत्रिय, बुढ़नपुर में आबाद है

110. चुचान गोत्र:-गद्दी हरिणा-धर्म क्षत्रिय, नसीरपुर, में आबाद हैं

111. लोहम गोत्र:-लोहम रोड़ पुर्ण गोत्र विश्नोइयों में सामील हो गया

नोट:-रोड़ वेश में 126 गोत्र हैं । जिनमें अब तक 111 गोत्र उपलब्ध हुये हैं । शेष बारे खोज जारी हैं ।

## निष्कर्स

उपरोक्त गोत्रों के गहन अध्यन से लेखक इस निर्णय पर पहुँचा है कि रोड़ अरोड़, जाट, गुर्जर, विश्नोई, अहीर कभी एक ही परिवार के सदस्य रहे हैं । अंयजाति के 36 वंशों में इनका महत्वपुर्ण स्थान हैं ।



## सन्दर्भ


1. देखें :- जगे भाट सुलतान सिंह व देश राज कृत हस्तलिखित रोड़ इतिहास ।

2. देखें :- चौ: मान सिंह रोड़ गांव लाखनौर के हस्तलखित रोड़ इतिहाय रजिस्ट्र न०1 पृ० न० 25 से 81

3. देखें :- राम दास रोड़ ,वीर भूमि भारत पृ०200

4. देखें :- राम लाल सिंह मनियाल रोड़ जाति का इतिहास पृ०86 से 91

5. देखें :- डॉ० राज पाल सिंह रोड़ इतिहास की झलक पृ० 96 से 103

6. देखें :- सुगन चन्द रोड़वशी, रोड़ वंश का गौरवशाली लुप्त इतिहास पृ०26 से 36

# रोड़ वंश के गांवों की संख्या

| | | | |
|---|---|---|---|
| 1. | मोहाना | 2. | तिहाड़ |
| 3. | उजारा | 4. | नहान |
| 5. | बाहुपर | 6. | कुराना |
| 7. | ऐचरा | 8. | मोरखी |
| 9. | सुवानाकासु | 10. | कारखाना |
| 11. | खेड़ी | 12. | धंगताना |
| 13. | छिछड़ाना | 14. | अहर |
| 15 | खलीला | 16. | अलुपर |
| 17. | लोहारी | 18. | कालखा |
| 19. | भादड़ | 20. | सताना |
| 21. | ऊटला | 22. | ओसरी |
| 23. | खनरा | 24. | थराना |
| 25. | रंगरूटीखेड़ा | 26. | खखड़ाना |
| 27. | सोदापुर | 28. | शिमला रोड़ान |
| 29. | अलिपुरा | 30. | कैभला |
| 31. | हरिसिंहपुर | 32. | बराना |
| 33. | पुंडरी | 34. | फरीदपुर |
| 35. | पलहेड़ी | 36. | पनौड़ी |
| 37. | कलहेड़ी | 38. | डीगरंमाजरा |
| 39. | कालरम | 40. | बसताड़ा |
| 41. | कुटेल | 42. | बजिदा |
| 43. | समालका | 44. | करनाल |
| 45. | शेखपुरा | 46. | फूसगढ़ |
| 47. | न्योवल | 48. | दलानपुर |
| 49. | कुंजपुरा | 50. | नली |
| 51. | नसीरपुर | 52. | महमदपुर |
| 53. | नयोड़ माजरा | 54. | रसूलपुर |



| | | | |
|---|---|---|---|
| 55. | डाकवाला | 56. | सूभरी |
| 57. | बरंडी | 58. | झंझाड़ी |
| 59. | दरड़ | 60. | समोरों |
| 61. | नगला | 62. | रिण्डल |
| 63. | कमालपुर | 64. | जनेसरा |
| 65. | बीबीपुर | 66. | गुढ़ा-इन्दी |
| 67. | गोरंगढ़ | 68. | शेखपुरा |
| 69. | सीकरी | 70. | संडीर |
| 71. | काला माजरा | 72. | पंजोखरा |
| 73. | बतानखेड़ी | 74. | बड़सालू |
| 75. | लाठरों | 76. | गूमटी |
| 77. | अज्जाहेड़ी | 78. | बुटाना |
| 79. | मानक माजरा | 80. | रायपुर |
| 81. | बराना | 82. | बरानी |
| 83. | बुड़िया | 84. | जगाधरी |
| 85. | इन्नसपुर | 86. | बाकीपुर |
| 87. | जिरबड़ी | 88. | सुवानी |
| 89. | ऊमरी | 90. | मथाना |
| 91. | हरीपुर | 92. | बुद्र वाला (रामगढ़) |
| 93. | पलवल | 94. | रतगल |
| 95. | पीपली | 96. | साखपुर |
| 97. | तीगरी | 98. | खासपुर |
| 99. | सलारपुर | 100. | अमीन (अभिमन्युपुर) |
| 101. | चन्द्रभानपुर | 102. | खेड़ी |
| 103. | आलमपुर | 104. | थानेसर |
| 105. | दयालपुर | 106. | कुंवार खेड़ी |
| 107. | सादीपुर | 108. | फतुपुर |
| 109. | नानुवाली खेड़ी | 110. | बीहड़ अमीन |
| 111. | ऐबला | 112. | ऐबली |

| | | | |
|---|---|---|---|
| 113. | गीटलपुर | 114. | बड़ा जाम्बा |
| 115. | भुकापुरी | 116. | हैबतपुर |
| 117. | बुढ़ेड़ा | 118. | खानपुर |
| 119. | नरकातारी | 120. | मिर्जापुर |
| 121. | गढ़ी | 122. | जाम्बा |
| 123. | श्योत | 124. | मुश्तापुर |
| 125. | लोहार माजरा | 126. | खजेमदा |
| 127. | अन्जन थली | 128. | बड़थल |
| 129. | सिद्वपुर | 130. | कमोदा |
| 131. | बाल | 132. | कछाना |
| 133. | सजूमा | 134. | डडवाड़ा |
| 135. | पंडारसी | 136. | जालों |
| 137. | डेवड़ा | 138. | दसेरपुर |
| 139. | जटोली | 140. | कोल मदूद |
| 141. | पबनावा | 142. | कोल |
| 143. | पावला | 144. | डोडा कारसा |
| 145. | खेड़ी | 146. | साकरा |
| 147. | गुधा | 148. | मोड़ी |
| 149. | घौलपुरा | 150. | सोत |
| 151. | ब्रह्मण माजरा | 152. | डाबर थला |
| 153. | सांभी | 154. | कमालपुर |
| 155. | सोल्हो | 156. | पड़वाला |
| 157. | तरावड़ी | 158. | शामण |
| 159. | छोटी भैणी | 160. | बड़ी भैणी |
| 161. | चौपड़ी | 162. | रूकनपुर |
| 163. | सुलतानपुर | 164. | काछवा |
| 165. | निढाना | 166. | सांभली |
| 167. | कोयर | 168. | माजरा |
| 169. | मुणक | 170. | गुड़ा |



| | | | |
|---|---|---|---|
| 171. | बाम्बरेहड़ी | 172. | झीवरहेड़ी |
| 173. | खरकाली | 174. | सटोंडी |
| 175. | बुढ़नपुर | 176. | हिमदा |
| 177. | शाहपुर | 178. | बड़ा दादूपुर |
| 179. | पिचोलिया | 180. | छोटा दादूपुर |
| 181. | ज्याणी | 182. | जुंडला |
| 183. | गुलरपुर | 184. | पयोंत |
| 185. | कतललाहड़ी | 186. | दूसरा बजीदा |
| 187. | हथलाना | 188. | मंजूरा |
| 189. | कुछपुरा | 190. | निसंग |
| 191. | बसतली | 192. | गिनाना |
| 193. | महमल | 194. | सिरसल |
| 195. | सांच | 196. | रसीना |
| 197. | अहमदपुर | 198. | मुन्नारेहड़ी |
| 199. | बुच्ची | 200. | आऊं |
| 201. | संगरोली | 202. | धेरडू |
| 203. | चुहड़माजरा | 204. | मटखा खेड़ी |
| 205. | बन्दराना | 206. | खनोदा |
| 207. | मुंधड़ी | 208. | फत्तेपुर |
| 209. | टयोंठा | 210. | मोहणा |
| 211. | झटेड़ी | 212. | पुंडरी |
| 213. | खेड़ी | 214. | बरसाना |
| 215. | हाबड़ी | 216. | उपलानी |
| 217. | चोर कारसा | 218. | ललान |
| 219. | पिंघाला | 230. | डीग |
| 231. | चौचड़ा. | 232. | रसोला |
| 233. | पाई | 234. | भाणा |
| 235. | रमाना | 236. | बाकल |
| 237. | राहजन्द | 238. | रहाड़ा |

| | | | |
|---|---|---|---|
| 239. | मुहंड | 240. | ढाठरथ |
| 241. | पोपड़ा | 242 | गांगाटेहड़ी |
| 243. | सिंघाना | 244. | छोटी कोल |
| 245. | आलण | 246. | ज्योली |
| 247. | रिटोली | 248. | जडोला |
| 249. | अम्बाला | 250. | कैथल |
| 251. | ढाण्ड कमालपुर | 252. | खानपुर |
| 253. | भीवरी खेड़ा | 254. | करनाल |
| 255. | कुरूक्षेत्र | 256. | पानीपत |
| 257. | निगदू | 258. | मतलोडा |
| 259. | इन्द्री | 260. | असन्ध |

## जमना पार के गांव

| | | | |
|---|---|---|---|
| 1. | ढलावली | 2. | चौपरा |
| 3. | खालदपुर | 4. | दथैड़ा |
| 5. | कलसी | 6. | गढ़ी |
| 7. | चौरा | 8. | बकड़ोली |
| 9. | पांडो खेड़ी | 10. | भोजपुर |
| 11. | भैसेराऊ | 12. | जैदपुरा |
| 13. | हसनपुर | 14. | नागल |
| 15. | गंदेबड़ा | 16. | खानपुर |
| 17. | कुवां खेड़ा | 18. | जानीपुर |
| 19. | महमदपुर | 20. | जलालाबाद |
| 21. | लोहारी | 22. | थाना भवन |
| 23. | कोटड़ी | 24. | गोंसगड़ |
| 25. | कुतुबगढ़ | 26. | ग्याना माजरा |
| 27. | टांड़ा | 28. | दुधली |
| 29. | दिवालहेड़ी | 30. | सलोनी |
| 31. | बेलड़ा | 32. | बेलड़ी |
| 33. | भारापुर | 34. | भौरी |



| | | | |
|---|---|---|---|
| 35. | रहमतपुर | 36. | डालूवाला |
| 37. | सोहल पुर | 38. | दरियापुर |
| 39. | कुराना | 40. | रांघड़वाला |
| 41. | लाखनौर | 42. | कलसी |
| 43. | बालीदपुर | 44. | शीदपुर |
| 45. | भोजपुर | 46. | बहेवाला |
| 47. | मानूवास | 48. | कालूवास |
| 49. | पुवांना | 50. | ढाकवाला |
| 51. | दलावरा | 52. | मिर्जापुर |
| 53. | बेरियों वाला कुराना | 54. | रावबाली |
| 55. | देवापुर | 56. | भोगपुर |
| 57. | मनसापुर | 58. | गदड़पुरा |
| 59. | ओरंगा बाद | 60. | गंगिया |
| 61. | मीरापुर | 62. | दुजामीरापुर |
| 63. | तीसरा मीरा पुर | 64. | झकोड़ा |
| 65. | लीलूवाला | 66. | सदलापुर |
| 67. | जमालपुर | 68. | विराजपुर |
| 69. | सहारनपुर | 70. | सकीपुर |
| 71. | भलोलपुर | 72. | आजादपुर |
| 73. | सुभाष नगर | 74. | बरवीन |
| 75. | रूढ़की | 76. | देवबन्द |
| 77. | गंगोह | 78. | नानौता |

देखे :- चौ: मान सिंह रोड़ गांव लाखनौर के रजिस्ट्र न. 1 हस्त लिखित से। सन 2002 को रोड़ों की जनसंख्या

| | आदमी | औरत | कुल जनसंख्या |
|---|---|---|---|
| हरियाणा | 3,18000 | 3,0900 | -627000 |
| उतर प्रदेश | 29500 | 26980 | -56480 |
| | कुल जोड़ | | -683480 |

सन् 2002 तक रोड़ों की आबादी 6 लाख तिरासी हजार चार सौ अस्सी थी ।

# 3. भारतीय सेनाओं में पदाधिकारी

देश की सीमाओं पर देश की रक्षा करते रोड़ जांबाज

(1)

| | | | |
|---|---|---|---|
| 1. | ब्रीगेडियर | देवेन्द्र सिंह | ज्ञाना माजरा(यूपी) |
| 2. | ब्रीगेडियर | जीले सिंह | कुराणा |
| 3. | ब्रीगेडिया | जयपाल सिंह | मुहाणा |

(2)

| | | | |
|---|---|---|---|
| 1. | कर्नल | सुनैहरा सिंह | मुहाणा-वीरचक |
| 2. | कर्नल | विजय पाल सिंह | मुहाणा |
| 3. | कर्नल | सतबीर सिंह | मुहाणा |
| 4. | कर्नल | उदय सिंह | दादूपुर |
| 5. | विगं कमाडर | चन्द्र सिंह | दादूपुर-सेना मैडल |
| 6. | विगं कमाडर | महेन्द्र कुमार | ज्ञाना माजरा(यूपी) |
| 7. | कर्नल | सतपाल सिंह | कौल |
| 8. | कर्नल | अजमेर सिंह | अमुपुर माजरा |
| 9. | कर्नल | देवी चन्द | ज्याणी |
| 10. | कर्नल | जीले सिंह | जाम्बा |
| 11. | कर्नल | रणधीर सिंह | कारखाना |
| 12. | कर्नल | धर्म सिंह | लुहारी |
| 13. | कर्नल | सेवा सिंह | अमरगढ़ |
| 14. | कर्नल | मनोज कुमार | शामगढ़ |
| 15. | कर्नल | बलबीर सिंह | सुभरी |
| 16. | कर्नल | सत्यवान | अहर |
| 17. | कर्नल | मदन पाल | भैणी कलां |

(3)

| | | | |
|---|---|---|---|
| 1. | मेजर | चन्दगी राम | कुराणा |
| 2. | मेजर | राजेन्द्र सिंह | दादूपुर |
| 3. | मेजर | सरोज बाला | दादूपुर (विरांगना) |



| | | | |
|---|---|---|---|
| 4. | मेजर | ईश्वर सिंह | दादूपुर |
| 5. | मेजर | धर्मपाल | मिर्जापुर |
| 6. | मेजर | राम सरूप | प्योंत |
| 7. | मेजर | रघबीर सिंह | मथाना |
| 8. | मेजर | मलखान सिंह | शामगढ़ |
| 9. | मेजर | सुलतान सिंह | डोड कारसा |
| 10. | मेजर | रणबीर सिंह | सटोंण्ड़ी |
| 11. | मेजर | संजय | चोर कारसा |
| 12. | वारंट अफसर | प्रेम सिंह | ऐबलीं |

(3)

| | | | |
|---|---|---|---|
| 1. | कैपटन | राम सरूप | मुहाणा |
| 2. | कैपटन | महा सिंह | मुहाणा |
| 3. | कैपटन | रण सिंह | मुहाणा |
| 4. | कैपटन | अमीत प्रकाश | ज्ञाना माजरा (य॰ पी) |
| 5. | कैपटन | प्रमोद कुमार | ज्ञाना माजरा(यू॰ पी॰) |
| 6. | कैपटन | मेहर सिंह | कौल |
| 7. | कैपटन | बलवन्त सिंह | कौल |
| 8. | कैपटन | गजे सिंह | बजीदा |
| 9. | कैपटन | औम प्रकाश | बाम्बरेहड़ी |
| 10. | कैपटन | राम पाल सिंह | कुंजपुरा |
| 11. | कैपटन | रतन सिंह | अलुपुर |
| 12. | कैपटन | जोगेन्द्र सिंह | बड़सालू |
| 13. | कैपटन | सुरेश | साकरा |
| 14. | कैपटन | प्रेम सिंह | संगरोली |
| 15. | कैपटन | इन्द्र सिंह | अमीन |
| 16. | कैपटन | फूल सिंह | पबनावा |
| 17. | कैपटन | नरेन्द्र सिंह | भैणी |
| 18. | कैपटन | ईशम सिंह | बीड़-माजरा |
| 19. | कैपटन | देवा सिंह | ज्याणी |

| | | | |
|---|---|---|---|
| 20. | कैपटन | ईशम सिंह | लाखनौर (यू॰ पी॰) |
| 21. | फलाईग अफसर | विकास सगवाल | गोसगढ़ (यू॰ पी॰) |
| 22. | फलाईग अफसर | रतन सिंह | शेरा |
| 23. | कैपटन | सूरत सिंह | ढाठरथ |
| 24. | कैपटन | जयमेल सिंह | शाहपुर |
| 25. | कैपटन | कृष्ण कुमार | करनाल |
| 26. | कैपटन | प्रेम सिंह | जुवारा |
| 27. | कैपटन | कली राम | अहर |
| 28. | कैपटन | सुरजीत सिंह | न्योवल |
| 29. | कैपटन | औम प्रकाश | कालखा |
| 30. | स्कवार्डन लीडर | धर्म सिंह | दादूपुर |

(4)

| | | | |
|---|---|---|---|
| 1. | लैफटीनैन्ट | आर दहीया | गुढ़ा |
| 2. | लैफटीनैन्ट | राम जी लाल | मथाना |
| 3. | लैफटीनैन्ट | वीजेन्द्र वीर | करनाल |
| 4. | लैफटीनैन्ट | अमीत कुमार | ज्योली |
| 5. | लैफटीनैन्ट | मुलतान सिंह | अलुपुर |
| 6. | लैफटीनैन्ट | | कुराणा |
| 7. | लैफटीनैन्ट | प्रदीप खैंची | शेरा |
| 8. | लैफटीनैन्ट | | मुहाणा |

(5)

| | | | |
|---|---|---|---|
| 1. | आई॰ ए॰ एस॰ | गुलाब सिंह रोड़ | दिवाल हेड़ी (यू॰पी॰) |
| 2. | आई ए॰ एस॰ | श्याम लाल रोड़ | चौरा (यू॰पी॰) |
| 3. | आई॰ ए॰ एस॰ | महा सिंह | कालखा |
| 4. | आई॰ ए॰ एस॰ | बलवान सिंह | कुराणा |
| 5. | आई॰ ए॰ एस॰ | कृष्ण कुमार | करनाल |
| 6. | आई॰ आर॰ एस॰ | देवेन्द्र सिंह | कुटेल |
| 7. | आई ॰आर॰ एस॰ | लहरी सिंह | मुन्दड़ी |

(6)



| | | | |
|---|---|---|---|
| 1. | सुबेदार मेजर | रतन सिंह | अहर |
| 2. | सुबेदार मेजर | सतपाल सिंह | कौल |
| 3. | सुबेदार मेजर | दलीप सिंह | सांच |
| 4. | सुबेदार मेजर | ज्ञानी राम | मुहाणा |
| 5. | सुबेदार मेजर | हवा सिंह | मुहाणा |
| 6. | सुबेदार मेजर | दरियाव सिंह | मुहाणा |
| 7. | सुबेदार मेजर | सुलतान सिंह | मुहाणा |
| 8. | सुबेदार मेजर | जयपाल सिंह | मथाना |
| 9. | सुबेदार मेजर | औम प्रकाश | गुल्लरपुर |
| 10. | सुबेदार मेजर | सतपाल सिंह | सोहलपुर |
| 11. | सुबेदार मेजर | महेन्द्र सिंह | शाहपुर |
| 12. | सुबेदार मेजर | माईचन्द | गुढ़ा |
| 13. | सुबेदार मेजर | कर्ण सिंह | अहमदपुर |
| 14. | सुबेदार | भरत सिंह | दादूपुर |
| 15. | सुबेदार | कर्ण सिंह | दादूपुर |
| 16. | सुबेदार | फत्ते सिंह | दादूपुर |
| 17. | सुबेदार | भागीरथ सिंह | दादूपुर |
| 18. | सुबेदार | गजे सिंह | मथाना |
| 19. | सुबेदार | औम प्रकाश | मथाना |
| 20. | सुबेदार | अजमेर सिंह | मथाना |
| 21. | सुबेदार | नगीना सिंह | बसताड़ा |
| 22. | सुबेदार | देवा सिंह | बसताड़ा |
| 23. | सुबेदार | मनीराम | बसताड़ा |
| 24. | सुबेदार | रोशन सिंह | बसताड़ा |
| 25. | सुबेदार | भाग सिंह | रसीना |
| 26. | सुबेदार | शेर सिंह | रसीना |
| 27. | सुबेदार | सुरजन सिंह | मुहाणा |
| 28. | सुबेदार | टेकचन्द | मुहाणा |
| 29. | सुबेदार | सन्त लाल | साकरा |

| | | | |
|---|---|---|---|
| 30. | सुबेदार | राम सरूप | साकरा |
| 31. | सुबेदार | गुलाब सिंह | साकरा |
| 32. | सुबेदार | रामेश्वर दास | शामगढ़ |
| 33. | सुबेदार | रघबीर सिंह | शामगढ़ |
| 34. | सुबेदार | महक सिंह | जैदपुर |
| 35. | सुबेदार | जय चन्द | भोजपुर यू॰ पी॰ |
| 36. | सुबेदार | देवा सिंह | बरसाना |
| 37. | सुबेदार | चन्दा सिंह | दादूपुर |
| 38. | सुबेदार | कृष्ण कुमार | अन्जनथली |
| 39. | सुबेदार | बाबू राम | छिछड़ाना |
| 40. | सुबेदार | काबल सिंह | कतलाहड़ी |
| 41. | सुबेदार | अजीत सिंह | संगरोली |
| 42. | सुबेदार | बलवन्त सिंह | मुन्नारेहड़ी |
| 43. | सुबेदार | सुखपाल सिंह | लाखनौर यू॰ पी॰ |
| 44. | सुबेदार | टेक चन्द | शिमला रोड़ान |
| 45. | सुबेदार | प्रभुदयाल | शिमला रोड़ान |
| 46. | सुबेदार | बाबू राम | सांच |
| 47. | सुबेदार | महक सिंह | लाखनौर यू॰ पी॰ |
| 48. | सुबेदार | श्री चन्द्र | कौल |
| 49. | सुबेदार | हरिसिंह | पबनावा |
| 50. | सुबेदार | राजेन्द्र कुमार | कौल |
| 51. | सुबेदार | फूल सिंह | खेड़ी राम नगर |
| 52. | सुबेदार | मेवा सिंह | लुहारी |
| 53. | सुबेदार | जसवन्त सिंह | लुहारी |
| 54. | सुबेदार | ब्रह्मानन्द | कुराणा |
| 55. | सुबेदार | अमर सिंह | मुहाणा |
| 56. | सुबेदार | लखपत सिंह | जुवारा |
| 57. | सुबेदार | बलजीत सिंह | मोरखी |
| 58. | सुबेदार | रतन सिंह | मोरखी |



| | | | |
|---|---|---|---|
| 59. | सुबेदार | हवा सिंह | गांगाटेड़ी |
| 60. | सुबेदार | जिवन सिंह | गांगाटेड़ी |
| 61. | सुबेदार | सतपाल सिंह | अलुपुर |
| 62. | सुबेदार | हवा सिंह | अलुपुर |
| 63. | सुबेदार | शमशेर सिंह | करनाल |
| 64. | सुबेदार | सतपाल सिंह | करनाल |
| 65. | सुबेदार | महेन्द्र सिंह | शाहपुर |
| 66. | सुबेदार | महीपाल सिंह | ज्ञानामाजरा |
| 67. | सुबेदार | कर्ण सिंह | अहमदपुर |
| 68. | सुबेदार | जय किशन | जाम्बा |
| 69. | सुबेदार | छोटू राम | ज्ञाना माजरा यू॰ पी॰ |
| 70. | सुबेदार | बृजेष कुमार | दथेड़ा यू॰ पी॰ |
| 71. | सुबेदार | अजय डाबर | अमरगढ |
| 72. | सुबेदार | सतबीर सिंह | छिछड़ाना |

सैनिक से बी॰ एच॰ एम॰ तक रोड़ बिरादरी के लगभग दो हजार जवान देश की सीमाओं पर तैनात हैं ।

(7)

1. अर्जुन रिवार्ड विजेता बलवन्त सिंह कौल भारतिय वालीवाल टीम का लगातार 15वर्ष कप्तान रहें ।
2. अर्जुन रिवार्ड विजेता अजमेर सिंह रूखनपुर बासकिटबाल गेम में जो (जर्मन) में हुआ था । संसार में अब तक सबसे अधिक सकोर बनाने वाला खिलाड़ी ।
3. अर्जुन रिवार्ड विजेता दलेल सिंह अमीन बालीवाल कुरूक्षेत्र युनीवर्सीटी में सर्पोटस डिपटी डारैकटर ।
4. शेर की उपाधी से सम्मानित शेर सिंह शेर खेड़ी रामनगर गेम बालीवाल । कुश्ती व ऐथलीट ।
5. हिमाचल केसरी (कुश्ती) पहलवान हरि सिंह अमीन ।

6. स्वर्ण पदक विजेता (भारत)जगीर सिंह शामगढ़ (बेटलिफटिग)
7. स्वर्ण पदक विजेता (भारत)बलकार सिंह अमीन बालीवाल
8. नेशनल चैम्पीयन जयमल सिंह शाहपुर डी॰ एस॰ पी॰
9. स्वर्ण पदक विजेता (भारत) ईश्वर सिंह भैणी बालीवाल
10. स्वर्ण पदक विजेता (भारत) बलसिंह अमीन बालीवाल
11. नेशनल सविमिंग चैम्पीयन दिलिप सिंह पोपड़ा
12. नेशनल कुश्ती चैम्पीयन बलवान सिंह उपलानी ।
13. बालीवाल नेशनल चैम्पीयन संजीव कुमार कुंजपुरा
14. बालीवाल नेशनल चैम्पीयन सुनील चौहान अमीन
15. शेरनी ने पैदा किये तीन शेर- केहर, सिंह, मेहर सिंह, रामकुमार बड़सालू तीनों सगे भाई हैं । तीनो वालीवाल नेशनल चैम्पीयन हैं तीनों चन्ड़ीगढ़ पुलिस में पदों पर हैं ।

## परिशिष्ट -एक
## रोड़ दर्पण

जगत गुरू स्वामी ब्रह्मानन्द जी सरस्वती के जन्म दिवस 24 दिसम्बर 2002 के मुबारक मौके पर आप सब को बहुत बहुत बधाई देता हूं जैसा कि पिछले एक वर्ष से कुछ स्वार्थी व्यक्तियों द्वारा बिरादरी को दो फाड़ करने की कोशिश की जा रही है व रोड़ जाति को मराठों का वंशज बताया जा रहा है जो कि बिल्कुल निराधार है ऐसे कोई भी ऐतिहासिक प्रमाण नहीं हैं जिनसे यह साबित हो सके कि रोड़ जाति का मराठों से कोई भी सम्बन्ध है ।

आज के इस पवित्र दिन पर में गुरू ब्रम्हानन्द जी की वंशावली जो कि 1468 ई॰ से आज 2002 तक है आपकी नजर कर रहा हूं जिससे आपको ऐतिहासिक व वास्तविक सच्चाई की ज्ञान प्राप्ति होगी ।

कगरोल खेड़ा से बादली 1208 ई॰ बादली से करेला झमेला, करेला झमेला से सांवत खेड़ा सांवत खेड़ा सं चुहडमाजरा 1468 ई॰



पहुंचें गुरू ब्रम्हानन्द जी का परिवार जो कि इस प्रकार है ।

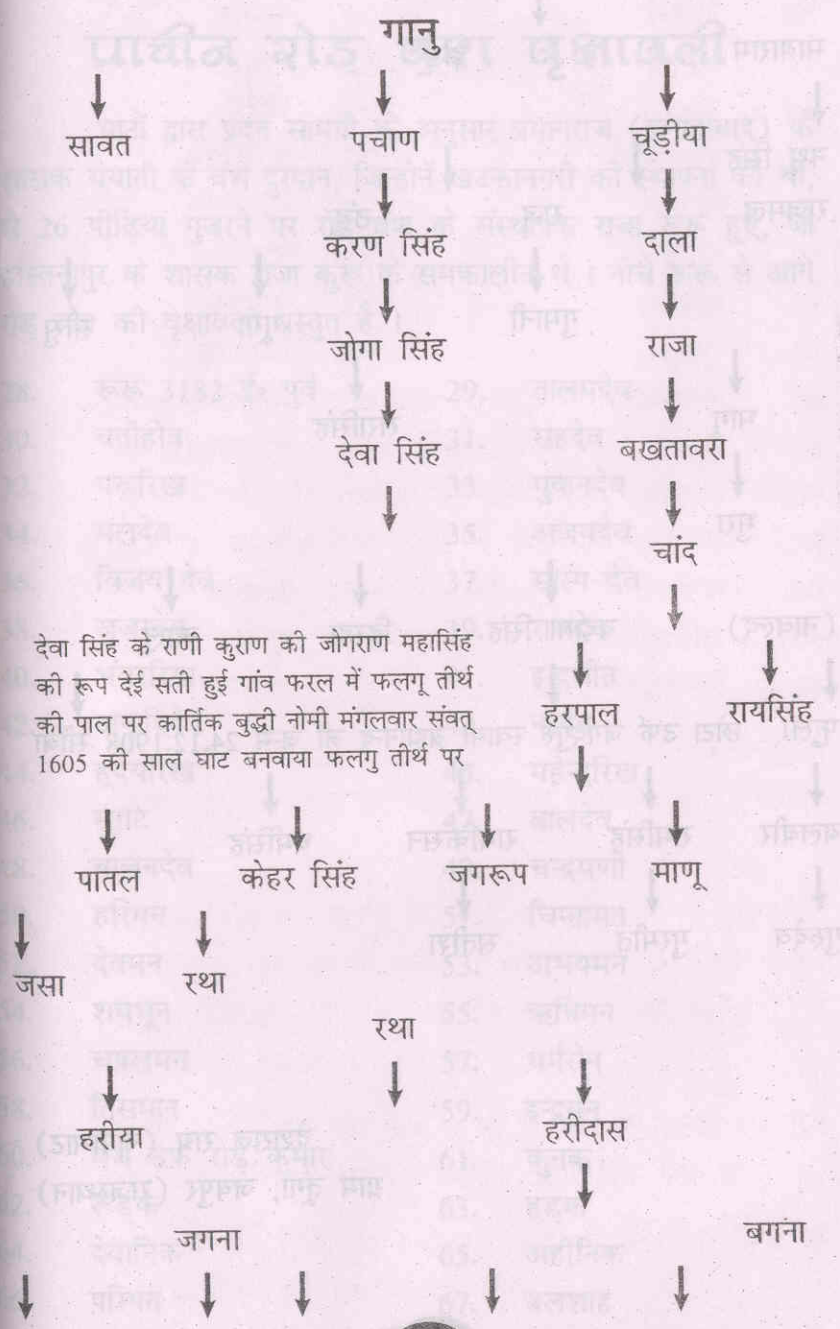

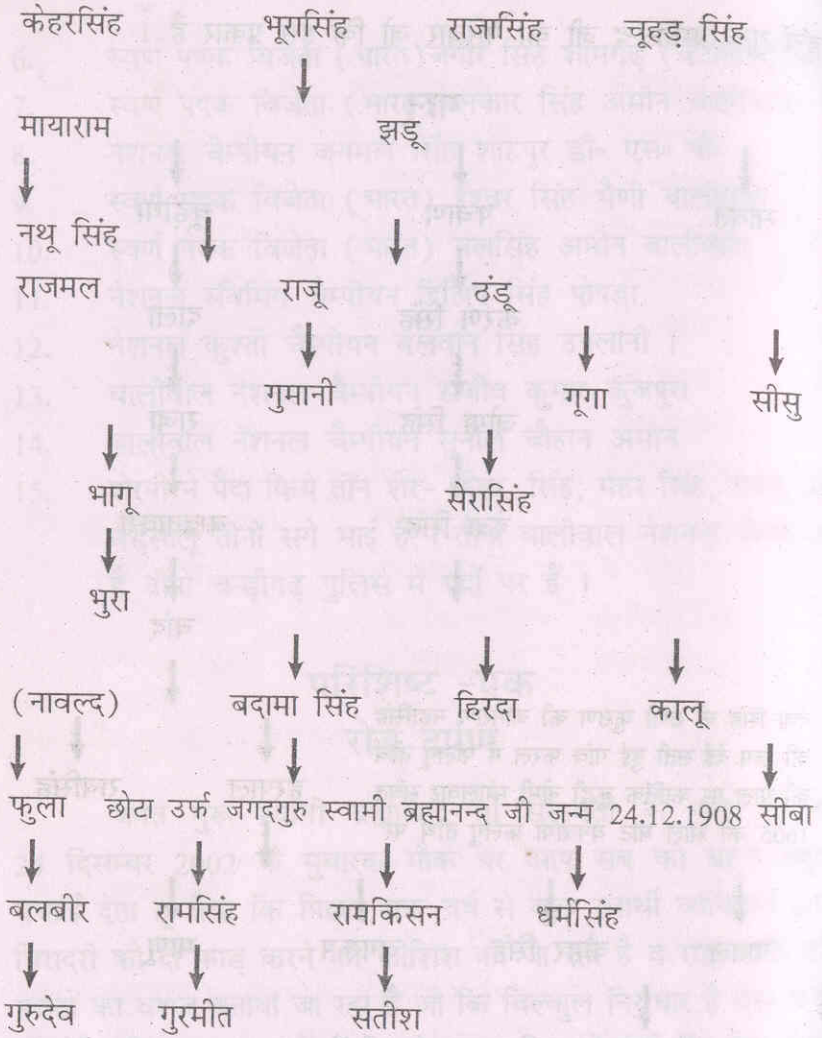


देशराज राय (जगाभाट)
ग्राम तूंगा, जयपुर (राजस्थान)



परिशिष्ट-2

# प्राचीन रोड़ वंश वृक्षावली

भाटों द्वारा प्रदत सामग्री के अनुसार प्रयागराज (इलाहाबाद) के शासक ययाती के वंश दुरदान, जिन्होनें खटकानगरी की स्थापना की थी, से 26 पीढ़ियां गुजरने पर रोड़ वंश के संस्थापक राजा रूरू हुए, जो हस्तिनापुर के शासक राजा कुरू के समकालीन थे। नीचे रूरू से आगे रोड़ वंश की वृक्षावली प्रस्तुत है।

| | | | |
|---|---|---|---|
| 28. | रूरू 3182 ई॰ पुर्व | 29. | तालमदेव |
| 30. | बतीहोत्र | 31. | सहदेव |
| 32. | परूरिख | 33. | मुकनदेव |
| 34. | मलदेव | 35. | अजयदेव |
| 36. | विजय देव | 37. | सारंग देव |
| 38. | जुजरदेव | 39. | राजदेव |
| 40. | भंवररिख | 41. | इन्द्रजीत |
| 42. | अनादिदेव | 43. | नरदेव |
| 44. | ह्दयरिख | 45. | महेन्द्ररिख |
| 46. | सुगट | 47. | बालदेव |
| 48. | बालनदेव | 49. | चन्द्रमणी |
| 50. | हरिमन | 51. | चिन्तामत |
| 52. | देवमन | 53. | अभयमन |
| 54. | शमभून | 55. | ऋषिमन |
| 56. | चपलमन | 57. | धर्मसेन |
| 58. | तिसमान | 59. | इन्द्रमन |
| 60. | घज उर्फ रोड़ कुमार | 61. | कुनक |
| 62. | रूड़क | 63. | हड़क |
| 64. | देवानिक | 65. | अहीनिक |
| 66. | परिपत | 67. | बलशाह |

| | | | |
|---|---|---|---|
| 68. | विजयभान | 69. | खंगड़ |
| 70. | ब्रहदर्थ | 71. | हरअंश |
| 72. | ब्रहदथ | 73. | इशमान |
| 74. | श्रीधर | 75. | मोहरी |
| 76. | प्रसन्नकेत | 77. | अमीरवंन |
| 78. | महासैन | 79. | ब्रहधोल |
| 80. | हरिकिर्त | 81. | सोम |
| 82. | मित्रवान | 83. | पुष्यपता |
| 84. | सुदाव | 85. | बिदीरख |
| 86. | नहकमान | 87. | मंगलमित्र |
| 88. | सूरत | 89. | पुष्पकरकेत |
| 90. | अन्तरकेत | 91. | सुतजय |
| 92. | ब्रहध्वज | 93. | बाहूक |
| 94. | कंपजयी | 95. | कगनिष |
| 96. | कपिश | 97. | सुमन्त्र |
| 98. | लिंगलाव | 99. | मनसजीत |
| 100. | सुन्दरकेत | 101. | ददरोड़ 620 ई० तक |



परिशिष्ट-3

# रोड़ वंश

स्वामी सूरत सिंह गांव बसताड़ा व संजय सिह खोखरा गांव दिवाल हेड़ी (यू.पी.) दोनों ने मिल कर रोड़ इतिहास पर खोज की जो निम्नलिखित है । इन द्वारा छपवाई गई इतिहासिक सामग्री ये हैं । दोनों 168 गांवों में गये । रोड़ शासकों के 9 किले मौके पर जाकर देखे । 18 राजाओं के नाम तलाश किये ।

1. गागर सिंह गौत्र महिला खटका नगरी का जागीरदार था । यह नगरी दिल्ली से 55 मील दक्षिण पूर्व में यमुना नदी के पश्चिम किनारे पर है । इसने पन्द्रह वर्ष राज्य किया । खटका नगरी के आस-पास चौबीस गांव गुर्जरों के आबाद हैं । यह स्थान राजा रोड़ के किले के नाम से प्रसिद्ध हैं । इस किले के आस-पास की जनता इसको अपने राजा के रूप में मानते हैं ।

2. चम्पत रोड़ यह नारनौल का शासक था। 13वीं शताब्दी के आखिर में चित्तौडगढ़ पर अलाउदीन खिलजी का हमला हुआ। चम्पत रोड़ ने 6 हजार जवान लेकर खिलजी का मुकाबला किया ।

3. मंगलसेन रोड़ वह कुम्भा का राजा था । खिलजी ने जब दूसरी बार चितौड़ पर हमला किया । मंगलसेन ने 9 हजार जवान लेकर खिलजी का मुकाबला किया था । यह घटना 13वीं शताब्दी के आखिर में घटी थी ।

4. पृथ्वी राज चौहान का जब 12वीं शताब्दी में दिल्ली पर राज था। उनका सिप्पेसलार (सेनापति) सागर सिंह रोड़ था ।

5. गंगू राम रोड़ राजा हुए । इनका किला हिसार बस स्टैण्ड के पास खण्डरात के रूप में पड़ा है ।

6. माहील बाघ रोड़ राजा हुए । यह बादली का राजा था ।

7. सम्पत रोड़ राजा हुए । जिनका प्राचीन किला आज भी दिल्ली में मौजूद हैं जिसमें अजायब घर बना हुआ है ।

8. चुड़ामल रोड; इनके राज्य में 83 गांव थे । राजा चुड़ामल ने कुतुबद्दीन से तीन युद्ध लड़े थे । इनका शासन रोहतक में था । इनकी बहादुर लड़की का नाम शोशीला देवी था ।

9. बन्दा बहादुर रोड़ राजा था । उनकी सेना में सेनापति कृषि रोड़ था । जिसने उत्तर प्रदेश में रूढ़की शहर को बसाया था ।

10. मुराल रोड़ राजा हुआ । जिसका शासन झांसी से 25 मील पश्चिम की ओर था । यह महला गौत्र का था । इनका भानजा विजय सिंह रोड़ इनकी सेना का सेनापति था । उस समय भरतपुर का राजा जवाहर था जो जाट था । ये दोनों आपस में दोस्त थे । वह पुस्कर तीर्थ पर स्नान करने गया था । लेकिन राजपूतों ने जाट राजा जवाहर को पुस्कर तीर्थ पर स्नान नहीं करने दिया । इसके बाद भरतपुर का जाट राजा जवाहर सिंह रोड़ राजा मुराल से मीले । फिर राजा मुराल अपने बल पर पुस्कर तीर्थ में राजा जवाहर सिंह को स्नान करवाकर लाए थे।

11. खैदर रोड़ जो विराटगढ़ के राजा थे । उसने सत्ताईस युद्ध लड़े। इस राजा के आज भी अनेक खण्डहरों के रूप में बहुत से प्रमाण उस स्थान पर स्थापित है ।

12. रोड़ भारत के आठ राज्यों में बसते हैं ।

आल राऊण्डर प्रिंटर्ज, करनाल

**संजय सिंह खोखरा**
दिवाल हेड़ी (यू॰पी॰)



## परिशिष्ट-4

सौरम रिकार्ड मुजफ्फरनगर से उपलब्ध पत्र

प्रेषक :-चौधरी शिवराम वर्मा एम.एल.ए., नीलोखेड़ी

सेवा में,

श्री चौधरी कबूल सिंह जी
मन्त्री सर्वखाप पंचायत ग्राम सौरम
त॰ सौरम जिला मुजफ्फरनगर (यू.पी.)

विषय :-**क्षत्रियों का इतिहास**

सेवा में निवेदन है कि ऊपरलिखित विषय पर विज्ञापन मैंने मासिक पत्र मधुर लोक मास सितम्बर में पढ़ा है। इस विज्ञापन में क्षत्रिय जातियों के नाम दिए गए हैं । आपके स्मरण करवाने हेतु रोड़ योद्धाओं के बारे में यह पत्र लिख रहा हूं । आपकी व कुछ अन्य खोजों में रोड़ इतिहास की जानकारी भी दी गई हैं । इसको इतिहास में लाने का प्रयत्न करें ।

1. गुरुकुल झझर (रोहतक) का मासिक पत्र 'सुधारक' सितम्बर 1958 दयानन्द 34 के पृष्ठ संख्या 12, शीर्षक पंचायत और मुगल युद्ध पैरा सेनापति का भाषण में ।
2. इसी पत्र 'सुधारक' के अंक मास अक्तूबर, नवम्बर 1958 दयानन्द 34 शीर्षक राणा रायमल और पंचायत, पृ॰ 6, 7
3. इसी पत्र के शीर्षक पृथ्वी राज चौहान और शहाबुद्दीन गोरी, पृ॰ 28, 29
4. इसी पत्र के शीर्षक वीरांगना भागीरथी, पृ॰ 32
5. शीर्षक हरियाणा के वीर पहलवान, पृ॰ 30
6. इसी पत्र के शीर्षक चितौड़गढ़ का दुर्ग, पृ॰ 40
7. शीर्षक सर्वखाप पंचायत का मल विभाग, पृ॰ 42, 43

8. साप्ताहिक पत्र "सर्व हितकारी" तिथि 21 जुलाई सन् 1975 अंक 21-33 शीर्षक संत सदाराम योगी का गढ़ मुक्तेश्वर मेले में भाषण पृ॰ 3 "अब भी रोड़ सदा की भांति" सभी क्षत्रिय जातियों से कंधे से कंधा मिलाकर सुधार तथा देश सेवायें अग्रसर हैं ।

उपरोक्त शीर्षकों पर रोड़ वंश का गौरवशाली इतिहास अंकित हैं। आप इसे क्षत्रिय इतिहास में शामिल अवश्य करें । आशा है कि आप इतने लिखे पर ही आवश्यक ध्यान देने का कष्ट करेंगे ।

धन्यवाद

आपका उत्तराकांक्षी

तिथि, 29 नवम्बर 1975

शिव राम
एम.एल.ए.,
प्रधान रोड़ महासभा (रजि.) करनाल

एक प्रति बराय आवश्यक कार्यवाही

1. श्री स्वामी ओमानन्द जी सरस्वती आचार्य गुरुकुल, झझर
2. श्री शिव कुमार शास्त्री, संसद सदस्य, नई दिल्ली
3. श्री रामचन्द्र, विक्रम संसद सदस्य, नई दिल्ली
4. श्री डॉ॰ गणपति सिंह वर्मा, गुरुकुल झझर
5. श्री श्याम लाल यादव, संसद सदस्य, नई दिल्ली
6. श्री रिसाल सिंह, एम.एल.ऐ., लखनऊ, (यू.पी.)
7. श्री रघुनाथ सिंह, एम.एल,ए., लखनऊ (यू.पी.)

शिवराम वर्मा
MLA
गांव झंझाड़ी (करनाल)



## परिशिष्ट - 5

Tribes and Castes of the North Western Provinces & Oudh
By : W.Crooke, B.A.
Bengal Civil Service in Fourth Volume
Calcutta
Office of the Suprintendent of Govt. Printing, India 1896

### ROR

Ror :- A small caste cultiators in the Western Districts of their Kinsmen in the Punjab Mr. Lbbetson writes :-

The real seat of the Punjab Rors in the great Dhak jungles south of Thanesar on the borders of the Karnal and Ambala Districts. WHere they hold a chaurasi, nominally of eighty four villages of which the village of Amin, where the pandavas arranged their forces before their last fight with the Kauravas is their head village. But the Rors have spread down the western Jammuna canal into the Iower parts of Karnal and into Jind in consi derable numbers. They are fine stalwart men of very much the same type as the jats, whom they almost equal as husband men, their women also working in the fields. They are more peaceful and less grasping in their habits than the jats, and ane consequently. readily admitted as tenants, where the latter would be kept at arm's length of their origin, I can say nothing certain. They have the same story as the Aroras' of their having been Rajputs who escaped the fury of parasu Ram by stating that their caste was aur or 'another,' The Arora's are often called Roras in the east of punjab; yet I can hardly believe that the frank and stalwart Ror is the same origin as the Arora. The Amin men say that they came from sambhal in morad_abad. but this may be only to connect themselves with their neighbours the chauhan Rajputs, who certainly came from there, but almost all the Ror seem alike point to Badli in Jhajjar, Tehsil of Rohtak as their immediate place of origin, though some of them say they came from Rajputana. Their social status is identical with that of the jats and they practice Karava orwidow marriage though only they

say, within the cast, Their division appear to be exceedingly numerous, some of them are Sagwal; Maipla, khichi and Jogran.

2. In sahar anpur the Rors claim to have been created at kaithal by Sri Krishna in the war of Mahabharat. Their marriage ceremonies resemble those of Jats and Gujj ars: they permit widow marriage, and the levirate is practically compulsory. It is said that they will eat kachchi and smoke with jats and Gujars.

4. They are supposed to have emlgrat ed to Bijnor some four centuries ago from a place called Fatehpur pundri in the Karnal Distt. Half this village was owned the Rors and half by a colony of Sayyids. The sayyids quarrelled with the Rors, Who were forced to emigrate under their leader Mahi chand.

5. They marry and perform Their other family ceremonies in the usual manner common to respectiable Hindu. Widows can marry again, and the levirate, though permissible, is not compulsory on the widow. There is regulr form of divorce, but a wife detected in adul tery is expelled form the tribe by the decree of the tribal council andcannot subsequently on payment of a penalty be readmitted to caste rights.

6. the Chief occuparion is agricultural, to which they and the makking of hemp matting and twine (tat, sutli)

Distribution of Rors according to census of 1891

| District | Numbers | District | Numbers. |
|---|---|---|---|
| Dehra Dun | 3 | Etawa | 5 |
| Saharanpur | 3,320 | Bijnor | 614 |
| Muzaffarnagar | 475 | Banaras | 41 |
| | | Total | 4, 459 |



## परिशिष्ट - 6

(With due acknowledgemet excerpts taken from" Archaaeological Survey of India Report for the yesr 1871-72, Vol IV, Varanasi 1966).

### KHERAGARH

Kheragarh is situated about twenty- four miles to the south of Agra, and about eight miles to the west ot the Gwalior Road, on the banks of the Ban Ganga river. It is a large village,or small town, standing on a large and ancient Khera.

About 300 or 400 feet to the north side of kheragarh there is an old Tila in which ancient sculptures are often found; and there is another Tila, called "Taisu Tila," about 500 feet to the east side of Kheragarh, in which ancient sculptures have also frequently been found. There are the remains of a mud fort at Kheragarh is said to have been built on the site of an ancient fort built of brick, which is the origin of the word "garh" in the name of "Kheragarh."

### " KHANGAR ROR," "KAGA ROR," OR " KAGAROLL"

Kagaroll is situated about three kos this side of kheragarh, and about eighteen miles from Agra. It is a very ancient place, and the present village stands on an ancient Tila, composed of the debris of an ancient fort. There are the remains of a very strong and thick wall which runs through below the western part of the village of Kagaroll. This wall is composed of huge blocks of red sandston, some of them beautifully carved. A great portion of this wall lies still buried under the earth of the old Tila on which the village of Kagaroll stands: but another portion of the wall which extended beyond the Tila had been almost entirely dug up by the peasentry, until at length they began to quarrel about their respective right to the materials. There is on wall now standing isolated by itself.

I find, by enquiries made of the inhabitants of the place,

that the statement which recently appeared in the Delhi Gazette is quite true so far as, that the ancient fort buried under this place was actually founded by a "Raja Ror "who is said to have been the son of " Khanger."

There is a tradition preserved in the neigh bourhood about a "white crow' or kag, in consequence of the appearance of which, as an omen of augury, Raja Ror built a fort here, and from which cireumstance it was called " kaga Ror," now corrupted to "Kagaroll." but to my mind the name of the fort is evidently derived from the combined names of Raja Khangar and his son Raja Ror, which would form the name of Khangar Ror. which in time might easily have been corrupted to Khangar Roll or Kagaroll.

It seems that there are many remains frequently found, or dug up at Kagaroll, such as sculptures, images, old coins,& c.

Two trustworthy men whom I lately sent there to explore the place brought me the following things, which had been dug up at Kagaroll :-----

1. An image of a warrior in yelloeish sand stone; present height about 13 inches; but as it has lost the lower part of the right leg from the ankle and the lower paart of the left leg from below the knee, its original height was probably about 1 foot 4 inches. It is a very boldly scul ptured figure, and the features of the face are fine and manly, and of the handsomestt Hindu type. The warrior has his right knee raised; on his right arm he presents a shield in defence and in his left hand he branndishes a straight sword of huge dimensions over his head. In a belt round his waist he wears a dagger with a crosss shaped hilt at his left side. The hair of the head is full, but drawn back in straight lines on the head. The figure is nabed, with the exception of a cloth round the loins, a belt round the waist, and a triple necklace round the neck . lt is evidently the figure of a warrior of great strength, probably of some ancient hero. I should not wonder if this were a figure os Raja Ror himself.



2. A small female figure, carved in relief, in a kneeking of sitting position.

3. A small flgure, in white sandsstone, of a bull, springing forward in great teerror, with the fore legs raised, and attacked form behind by either a leopard or a tiger or a lion, which has got hold of the bull's tail in its mouth. Behind the bull's fore_legs a man's leg and foot appear,but the upper part of this human figure has been broken off, and on the top of the back of the bull there are the remains of two human feet of much smaller dimensions than the other.

4. The remains of a amall elephant or a bull in steatite.

5. Two very small and curious figures carved in some kind of greyish black stone, one of which is like an elephant, but with a very long conical shaped humaan like face. Underneath its belly there is a young one sucking at its teats. The other is a small sitting figure, probably of some divinity, with a very absurd physiognomy.

A few coins were also brought to me from kagaroll, all of which were either very much defaced or of no importance, with the exception of one which I can hardly call a coin, but which is a thin dice of copper or mixed metaal, one side of which is covered with a reqresentation of a circular rayes symbol, resembling a chakra or wheel, and the other side appears to be blank.

l hope. however, to obtain more coins from toat, locality as the inhabitants of the place say that a great many coins, as well as images and other sculptures is stone, are found there.

## THE KASSAUNDI GARHI.....

(Page 208).... The village or small town of Kassaundi is situated about eight and a half to nine miles distant, south-east from Toondla. it had been one great capital city difended by a series of forts; and this is by common consent asserted by the natives to have been founded by "Raja Gaj". ...In and around this

neighbhbourhood the remains of the rest of the "Fifty-two Forts" are said to still standing in a partly entire state, but the villagers and country people generally have gradually demolished the walls; and I believe that when the Railway was first being constructed, the country people sold a large amount of the materials, of which these forts were constructed, to the Railway authorities and contractors, the Railways people being probably utterly unaware as to whence the materials really came from. If, however, the Railway people got any of the materials for use, of which these forts were constructed, they must have been considerably superior to any materials now in use with the Public Works Department !.....the bricks found....may at least be upwards of two feet or more in length and about



## परिशिष्ट - 7

**Punjab District Gazetter**
**Volume III A.**
**Rohtak District with Maps 1910**

Page 69 A few tribes, which are now no longer represented in the district, held eastated once, ris. Taga Brahmans and Meos Rors also formerly held a number of villagers. Going back, therefore, beyond the foundation of the present estates, we find the country still held by much the same tribes as at present, with a greater preponderance of Rajputs then, as would naturally be expected. Of the 511 estates* 223 have received owners from villages outside the limits of the district, and 288 from villages previously founded inside the district. In point of age the pedigree tables, with approximate accuracy probably, show that twelve villages have existed for 30-35 generations, forty-eight for 25-30, seventy for 20-25, one hundred and twenty-eight for 15-20, one hundred and forty for 10-15, while sixty only were founded between five and ten generations ago, and fifty-five within the last five generations; of these last, thirty-three are in the Jhajjar tahsil alone. The pedigree tables are carefully recorded and preserved by the Bhats in their books (pothis), many of which are of great age : in few parts of the Panjab perhaps in good written evidence in matters of descent forthcoming to such an extent as in Rohtak. The above facts go to show that one-fift of the villages were probably founded when Shahab-nd-din took Delhi, and one-fifth only are of as recent a date as the rule of the British in India. Not a few of the estates now flourishing have at some time or another been deserted on the occasion of an invasion or famine; but as soon as the storm was blown over, the people returned to their old homes, as water (to quote the local proverb), always finds its way to low-lying lands.

Khanpur Kalan, and Bhainswal Kalan and in ROhtak round Gandhra; the Hudah from Asan to Sanghi and Khirwali in Rohtak; the Dahiya round Rohna; the Dalal round Mandauthi; the Ahlawat

round Dighal; the Rathi round Bahadurgarh; the Kadian round Beri; the Gulia round Badli; and the Jajjar above Salhawas-all these are grouped in separate colonies over the district. Even in the case of some of the smaller clans, this special configuration may also be seen-as with the Chilar and Chikara above Bahadurgarh, the Nirwal in the west centre of Gohana, and the Dhankar in the centre of Jhajjar. So marked is this that (as will be seen from the table of clans in the following paragraph) the Jakhar, Golia and Kadian clans are confined to a single spot in a single tahsil each; the Dalal, Dahiya and Ahlawat have only four detached villages among them. The Hadha and Malik are found in two tahsils only. The Sahrawat and Deswal. it should be remarked, have no groups of villages; except for two pairs of small contigous estaes of the Sahrawat and two of the Deswal similarly, the leser in each case founded from the larger, the villages of these two clans are scattered singly over the district

The clans of the Jats are distributed as follows by villages :–

| Page 68 | Number of Villages Held in | | | |
|---|---|---|---|---|
| | Gohana | Rohtak | Jhajjar | Total |
| Malik .... .... .... .... .... .... | 21 | 4 | 1 | 226 |
| Golia .... .... .... .... .... .... | .... | .... | 20 | 20 |
| Rathi .... .... .... .... .... .... | 5 | 2 | 9 | 16 |
| Jakhar .... .... .... .... .... .... | .... | .... | 18 | 18 |
| Dahiya .... .... .... .... .... .... | .... | 16 | 1 | 17 |
| Hudah .... .... .... .... .... .... | 1 | 15 | .... | 16 |
| Dalal .... .... .... .... .... .... | 2 | .... | 13 | 15 |
| Dhankar .... .... .... .... .... .... | .... | 4 | 9 | 13 |
| Ahlawat .... .... .... .... .... .... | 1 | .... | 8 | 9 |
| Kadian .... .... .... .... .... .... | .... | .... | 11 | 11 |
| Deswal .... .... .... .... .... .... | 1 | 4 | 3 | 8 |
| Sahrawa .... .... .... .... .... .... | 1 | 1 | 5 | 7 |
| Miscellaneous .... .... .... .... .... | 65 | 53 | 91 | 209 |
| **Total .... ....** | **97** | **99** | **189** | **385** |

"The Rors ahve the very same customs as the Jats. The only Ror village, Jowara, was settled from Badli. The Rors claim



to be Rajputs, but they can gave no very definite account even of their traditional origin.

The Rors rank with the Jats whom they closely resemble. The Ahirs are perhaps superior even to the Jats in patient and skilful agriuclture: Living as they do in the sandy part of Jhajjar where the well runnels are so porous that they require to be plastered each time they are used, their resourcefulness has been more developed than that of the Jats. The common saying : Kosli ka Ahir, kheti ki tadbir—"The Ahir of Kosli, the craft of agriuclture". shows their reputation. Like the Jats they practice widow marriage. Their women may always be known by their blue petticoats, and red orhnas worked on the hem in white. THe proverb : Bawan bangle Kosli our banke kai hazar–"Kosli has 50 stone houses and several thousand swaggerers", shows that the surrounding Jats are some what jealous of them.

The Brahmans are inferior cultivators to the Jats; thought; they have abandoned the strict rule that requires them to eat their food where it is cooked, their women give little or no assistance in the fields beyind bringing their meals. They are often prohits as well as cultivators and are apt to fall between two stools. Mr. Fanshawe noted that they are better cultivators in a Jat village than in a Brahman-owned estate. Though respected by the people (the village of Wazirpur is called Dadan, from Dada, the reverential method of addressing a Brahman) they are pilloried in the proverbs "Kal bagar se upje, bara Bahman se ho"–"Famine comes from the Bagar as evil from a Brahman"; and again, "one may escape death, but not the Brahman".

The tribes notified as agriculture under the Land Alienation Act (XIII of 1900) in the district are Ahir, Biloch, Gujar, Jat, Mali, Moghal, Pathan, Rajput, Ror, Saiyad, and Gaur Brahman, (excluding Bohras); of these the first en form one gorup, and the Gaur Brahmans have been notified in a separate group with their fellows in Gurgaon, Delhi and Karnal districts, and the Fattehabad, Hansi and Hissar tahsils of the Hissar district.

परिशिष्ट - 8

# Hindu Castes and Sects

*Chapter V*

## THE MARATTA

The Maratas are the military caste of the Maharatta country. Their position in the Hindu caste system was originally not a very high one, and even now it is not exactly the same as that of the Rajputs of Northern India. But the political importance acquired by them, since the time of Sivaji, who was a member of their community, has enabled them to form connection by marriage with many of the superio Rajput families, and they may be now regarded as an inferior clan of the Rajput caste. The lower classes of the Marattas do not go through the ceremony of the Upanayana. or investiture with the thread. But they take it at the time of their marriage, and are not held to be altogether debarred from its use. Their right to be reckoned as Ksatriyas is recognised by the Brahmans in various other ways. Even the most orthodox Brahmans do not hesitate to accept their gifts, or to minister to them as priests. The only ground on which they may be regarded as an inferior caste it the fact that they lat fowls. But in no part of the country are the military curves very purtion in their diet.



APPENDIX-I

## *List of Caste Names found in the text*

| | |
|---|---|
| Abbasi | section, both of saction and shai k |
| Abidi | Saiyid section |
| Adham | Ahir subdivision |
| Adham Sudra | Ahir Subcaste |
| Adhela | Kanjar subcaste |
| Afghan | Synonyn, for Pathan |
| Afridi | Patkhan tribe |
| Agari or Agri | lron smelters: a section of hill-Doms<br>(1) Caste of iron smelters in Mirzapur:<br>(2) Caste of salt-vurkers in Buland-shahr |
| Agarwal | Valsya caste of traders and bankers |
| Agastwar | Rajput sept |
| Agnikula | Lit 'fier-born' ;name of a group of Rajput sept |
| Agrakri | Vaisya caste of traders,, mostly provision dealers |
| Agri | See Agari |
| Ahar | Pastoeal and cultivatinr; caste |
| Aheriya | Caste of hanters and fowlers |
| Ahir | Caste of herdsmen; also agriculturists |
| Ahiwasi | Brahmanical caste |
| Ajudhyabasi | 'Living in Ajudhya': a subcaste name in various castes |
| Alwi or Alawiya | Section, both of Saiyids and Shaikhs |
| Amethiya | Rajput sept |
| Amisht | Subeaste name in vatious castes |
| Ansari | Shaikh section |
| Arahh | Caste of cultivators and labourers |
| Asandhari | Branch of the Goshain sectarian caste |
| Askari | Saiyid section |

| | |
|---|---|
| Athpahariya | Gidhiya subcaste |
| Atith | Sectarian (Saiva) caste |
| Andhiya | Tribe of criminals |
| Auji | Tailors and drummers; section of hill- Doms |
| Bachgnti | Rajput sept<br>(1) Vagrant tribr, originally dacoits;<br>(1) Subcaste of Dhanuks |
| Bndi | Dancers and singers; section of hill-Doms |
| Badi Banjarn | New caste, formed the Gual Nats |
| Basghban | Caste of gardeners |
| Baghel | Rajput sept |
| Baheliyn | Caste of fowlers and hunters |
| Bahlim | Shaikh subdivision |
| Bahlim | Sec Bahlim |
| Bahmangot | 'of Brahman lineage'; subcaste name |
| Bahmaniya | Sec Bahmangot |
| Bahrup | Subcaste of Banjaras |
| Baid | Subcaste of Basjaras |
| Bairi | See Ruriya |
| Baidgurdguar | Subcaste of Banjaras |
| Bairsawa | Group of hill-Doms |
| Bais | Rajput sept |
| Baiswar | Tribe of agriculturists |
| Bajaniya | Nat subcaste |
| Bajdhar | Baheliya subcaste |
| Bajgi | Caste of musicians |
| Barhariya | Group of hill-Doms |
| Bal | Subcaste of Arakhs and Khangars |
| Balahar | Dom subcaste of village menials and trumpeters |
| Balai | Caste of weavers and labourers |
| Balmiki | Bhangi subcaste |



| | |
|---|---|
| Bangash | pathan tribe |
| Bani Fatima | Saiyid section |
| Bani lsrail | Shaikh section |
| Baniya | Generie term for trader; formerly used as caste name for Vaisya castes |
| Banjara | Tribe of cattle dealers and carriers |
| Banmanus | Subcaste of Musahars |
| Bansphor | Dom subcaste, who work in bamboo |
| Baqarqassab | group of Muhammsdan butchers; lit.'goat killers' |
| Baqri | Saiyid section |
| Bar or padhan | Section of the loqer Moradabad Chauhans |
| Baraghar | Lit.'twelve houses'; a caste section |
| Barai | (1) Caste of betel growers; (2) another form of Barele |
| Baraksai | Pathan tribw |
| Baramasi | (1) Name for Kachhi; (2) section of Baghbans |
| Baranwal | Subcaste of Vaisya traders |
| Bardhiya | Subcaste of Kumhars |
| Barech | Pathan tribe |
| Barele or Bare | Section of hill- Doms |
| Ba rgahi | Caste of domestic servants |
| Bargujar | Rajput sept |
| Barhai | Caste of carpenters |
| Bari | Caste of domestic servants |
| Baruri | See Ruriya |
| Barwar | Criminal tribe |
| Basor | Dom subcaste of bamboo workers |
| Baura | A group of hill- Doms |
| Bauriya | See Bawariya |
| Bawanjati | Lit.'fifty-two familes'; a caste section |
| Bawariya | Tribe of hunters and criminals |

| | |
|---|---|
| Bazigar | 'Acrobat'; subcaste name |
| Bediya | See Beriya |
| Behanwala | Khatik subcaste(bacon- vendors) |
| Beldar | Caste of diggers and earth workers |
| Belwal | See Ghidwal |
| Belwar | Caste of grain-dealers |
| Benbansi | 'Descended from Ben'; subcaste name |
| Bengali | Vagrant tribe |
| Beriya | Vagrant tribe |
| Bhains | Subcaste both of kanjars and Bariyas |
| Bhaktiha | Murao subcaste |
| Bhale Sultan | Sept of Muhammadan Rajputs |
| Bhand | Caste of jesters |
| Bhangi | Scavenger caste (or group of castes) |
| Bhantu | Dangerous criminal tribe, now broken up, and mostly settled in the Andamans |
| Bhar | Non-Aryan tribe of agriculturists and labourers |
| Bharbhunja | Grain parchers |
| Bhat | Caste of bards and genealogists |
| Bhathiyara | Caste of innkeepers |
| Bhatiya | Small caste of traders |
| Bhatnagar | A kayastha subcaste |
| Bhatra | Another name for Ramaiya |
| Bhatti | Rajput sept |
| Bhil | Old aboriginal tribe |
| Bhishti | Caste of water- carriers |
| Bhoksa | Tribe resident in the submontane Tarai |
| Bhotiya | Tribe of agriculturists (Hinduizcd Tibetans) |
| Bhuinhar | Caste of landownerts and agriculturusts who claim Brahman descent |
| Bhuiya | Jungle and ladouring tribe |



| | |
|---|---|
| Bhuiyar | Tribe of woodcutters and jungle swellers |
| Bhul | Oil- pressers; a section of the hill-Doms |
| Biloch | Muhammadan tribe, frequently criminals |
| Bind | Agricultural caste |
| Bisa | 'Twenties'; Agarwal endogamous section |
| Bisen | Rajput sept |
| Bishnoi | Originally a Vaishnava sect, now a sectarian castc |
| Brahman | The priestly caste; also an Aryan waina or social class |
| Brajbasi | 'Living in Braj ', i.e. the country near Agra and Muttra; subcaste name |
| Bughara | Section of hill- Doms |
| Bundela | Rajput sept |
| Byahut | 'Wedded'( i.e. marrying only virgins); subcaste name |
| Byar | Tribe of agriculturists |
| Chagatai | (1) Turki family name (2) Moghul sec tion |
| Chai | Caste of fishermen |
| Chamar | Caste of curriers and tanners |
| Chamargaur | Rajput sept |
| Chamar-Julaha | Another name for Bhuiyar |
| Chanal | Another name for Chunara |
| Chandel | Rajput sept |
| Charghar | Lit. 'four houses'; caste subdivision |
| Chattri | Synonym for Rajput |
| Chaube | Brahman title |
| Chaudhri | Lit. ' headman' ; (1) common title for(a) headman of a caste; (b) a jat; (2) a subcase of Nats |
| Chauhan | Rajput sept |
| Chauhaniya-Misr | Subcaste name |

| | |
|---|---|
| Chero | Caste of labourers |
| Chhajarwar | Section of Baghbans |
| Chhipi | Caste of calico printers |
| Chik | Caste of Hindu butchers |
| Chiryamar | Subcaste of Baheliyas; fowlers |
| Chishti | Saiyid section |
| Chunara, Chunera, Chunyar | Section of hill- Doms |
| Churihar | Caste of makers of glass bangles |
| Dafali | Caste of drummers, beggars and hedge priests |
| Dakaul | Caste of astrologers |
| Dalera | Caste of pick pockets |
| Damai | Drummers; group of hill- Doms |
| Dangi | Caste of agriculturists |
| Darya | Section of hill-Doms |
| Darai | Caste of tailors |
| Dasa | 'Tens'; Agarwal endogamous section |
| Daudeai | Pathan tribe |
| Dhaigar | Lit. two and a half houses'; (1) a hypergamous division amongst khattris; (2) a subcaste of Gadariyas |
| Dhaki | Outcasted Khasiyas; section of hill-Doms |
| Dhangar | Tribe of agricultural labourers |
| Dhanuk | Menial caste |
| Dhankuta Banjara | See kuta Banjara |
| Dharhi | caste of singers and dancers |
| Dharkar | Dom subcaste ; workers in cane |
| Dhiman | Subcaste of Barhais |
| Dhimar | Caste broken off from the kahar |
| Dhinwar | Subcaste of Khagis |
| Dhobi | Washerman caste |
| Dholi | Tailors, drummers; section of hill-Doms |



| | |
|---|---|
| Dhunar or Dhuni | Labourers; section of hill-Doms |
| Dhuniya | Caste of cotton carders |
| Dhusar-Bhargawa | Caste of Brahmanical origin |
| Dikhit | Rajput sept |
| Dilazak | pathan tribe |
| Dobhal | Section of khasiya Brahmans (exorcists) |
| Dogar | Punjab tribe |
| Dolkarha | Section o musahars; palanquin bearers |
| Dom | (1) In the pkains, a non- Aryan tribe of menials and scavengers; (2) in the hills, generic raciak name for low castes of all kinds |
| Domar | Dom subcaste |
| Durani | Pathan tribe |
| Dusadh | Menial caste |
| Dwijat | 'Twicw-born'; Ahir subcaste |
| Faruqi | Shaikh section |
| Gadariya | Caste of shepherds and goat- herds |
| Gaddi | Caste of Muhammadan cow- herds |
| Gadhere | Subcaste of Kunhars |
| Gaharwar | Rajput sept |
| Gaholt | Rajput sept |
| Gahoi | Subcaste of Vaisya traders and merchants |
| Gairola | Section of Brahmans in hills |
| Gandharb | Caste of singers and prostitutes |
| Gandhi | Caste of scent manufacturers |
| Gandhila | (1) Subcaste of Gidhiyas; (2) vagrant tribe |
| Gangari | Subcaste of Brahmans in hills |
| Gara | Tribe of cultivators |
| Gaur | Subcaste of Brahmans, kayasthas, and many other castes |
| Gauriya | Caste of fishermen and cultivators |
| Gautam | Rajput sept |

| | |
|---|---|
| Ghaibhanariya | Brahman subcaste in hills |
| Gharbari | Branch of Atiths |
| Gharuk | Caste of domestic servants, who serve Europeans |
| Ghasiya | Ttibe of menials |
| Ghidwal | Section of Khasiya (hill) Brahmans |
| Ghilzai | Pathan tribe |
| Ghogar | A newly formed caste; well diggers (1) Subcaste of Qalandars; (2) subcaste of khatiks |
| Ghorgushti | Pathan tribe |
| Ghori | (1) Pathan tribe; (2) a muslim dynasty Caste of herdsmen |
| Ghulam | Lit. 'slave; subcaste name of Barwars |
| Gidhiya | New caste of hunters |
| Gola | Subcaste of Bawariyas |
| Gola Agariya | 'Bastard Agariya' ; a Luniya subcaste |
| Gola Thakur | 'Bastard Rajput'; another name for Gola Agariya |
| Golapurab | Caste of agriculturists |
| Gond | Aboriginal tribe of Central lndia |
| Gorchha | Caste of cultivator |
| Goshain | Sectarian caste |
| Grihastha | Lit. 'householder'; branch of Goshains |
| Gual | Nat subcaste |
| Gujar | Agricultural and pastoral tribe |
| Habshi | Descendants of Abyssinian slaves, now extinct |
| Habura | Tribe of criminal vagrants |
| Haldiya | Subcaste name ; connected with turmeric(haldi) |
| Halwai | Caste of confectioners |
| Hankya | Subcastc of Kumhars |
| Hasan-Husaini | Saiyid section |



| | |
|---|---|
| Hasani | Saiyid section |
| Hashimi | Section of both Saiyids and Shaikhs |
| Hateriya | Subcaste of Kumhars |
| Hayobans | Rajput sept |
| Hazari | Subcaste of khatiks |
| Hela | Bhangi section, probably a separate caste |
| Hurkiya | Caste of attendants on dancing girls |
| Husaini | Saiyid section |
| Intpaz | Sudcaste of Kumhars |
| Iraqi | Caste of Muhammadan liquor sellers |
| Jadon | Rajput sept |
| Jasubansi | Subcaste name |
| Jafari | Section both of Saijids and Shaikhs |
| Jaiswala,Jaiswara | Lit, 'residents of Jais'; subcaste name |
| Jalali | Saiyid section |
| Jallad | Subcaste of kanjars |
| Jamoriya | Group of hill Doms |
| Jaunpuriya | Lit. 'reaidents of Jaunpur;subcaste name |
| Janwar | Rajput sept |
| Jat | Agricultural trib |
| Jatiya | Subdivision of Chamars |
| Jauhari | 'Jeweller ; subcaste name |
| Jhijhotiya | Subcaste of Brahmans |
| Jhojha | Caste of converted Hindus ; cultivators |
| Jogi Paihan | Vagrant Muhammadan swindlers |
| Jodhi | Class of Brahmans in the Hills ; caste of astrologers |
| Julaha | Caste of weavers |
| Kabariya | See Kunjra |
| Ksbutari | Lit. ' pigeon like' ; subcaste name |
| Kachhi | Caste of market gardeners |
| Kachhera | Rajput sept |

| | |
|---|---|
| Kadhera | Tribe of chltivators |
| Kahar | Caste of domestic servants |
| Kakar | Pathan tribe |
| Kalabae | Subcaste of Gual Nats |
| Kalwar | Liqor distivators and sellers and general traders |
| Kamboh | Caste of cultivators |
| Kamchor | Lit. 'loafer '; subcaste name |
| Kanaujiya | (1) Subcaste of Brahmans ; (2) subcaste of Bharbhunjas |
| Kanchan | Singers, dancers and prostitutes ; subcaste of Bharbhubjas |
| Kanchan | Singers, dancers and prostitues; subcaste of Gual Nats |
| Kandu | Caste of dhopkeepers |
| Kanet | Rajpt sept |
| Kanghigar | Combmalers ; subcaste of Nats |
| Kanhpuriya | Combmakers ; subcaste of Nats |
| Kanjar | Rajput sept |
| Kanjar | Vagrant tribe |
| Kanmail | Caste of 'car-cleaners', broken off from the Nats |
| kanseri | Section of Khasiya Brahmans in hills |
| Kanya- Kubja | See kanaujiya |
| Karunia | Subcaste of Baghbans |
| Karwal | Vagrant tribe |
| Kasarwani | Caste of traders, mostly grocers |
| Kasaundhan | Caste of merchants and money changers |
| Kasera | Brass fcunders |
| Kasgar | Subcaste of Kumhars |
| Kasibi | Section of the Bishnoi caste |
| Kathak | Caste of musicians |



| | |
|---|---|
| Kakhera | See Churihar |
| Lal Begi | Section of Bhangis, probably now a caste |
| Lalkhani | Caste of Muhammadan Rajputs |
| Lalsoti | Exogamous section of Minas |
| Lama_Nagi | Sept descended from Tibetan lamas settled in Garhwal |
| Laungbarsa | Subcaste name of Dhanuks |
| Lodha | Caste of agriculturists |
| Lodi | (i) Pathan tribe; (ii) a Muslim dytnasty |
| Lohar | Blackmiths |
| Luniya | Caste of cultivators, earthworkers, and makers of saltpetre |
| Madhesiya Vaisya | Name elaimed by Kandus and Halwais |
| Maghaya Dom | Branch of teh Dom tribe |
| Mahabiriya | Followers of Mahabir; subcaste name |
| Mahabrahman | Brahmans who receive funeral gifts |
| Mahajan | Subcaste of Vaisyas, usurped as a caste name by Kalwars |
| Mahaludhi | Subcaste of Lodhas |
| Mahar | Subcaste of Kahars |
| Mahesri | Caste of Vaisya merchants |
| Mair | Subcaste of Sonars |
| Maithila | Subcaste of Brahmans |
| Majhwar | Jungle and labouring tribe |
| Mal | Section of Sainthwars |
| Malkana | Group of converts to Islam, resident around Agra |
| Malla | Section of Sansiyas |
| Mallah | Boating and fishing caste |
| Manihar | Sec Chairihar |
| Mansuri | Khatik section |
| Mathduri | Branch of Goshains |

| | |
|---|---|
| Khatik | Caste of cultivators, vegetable sellers and butchers |
| Khaikul | Endogamous section amongst Kanaujiya Brahmans |
| Khattri | Trading caste |
| Khilji | (1)Subcaste name ;(2) Turki tribe ;(3) a Muslim dynasty |
| Khokhar | Subcaste of Qalandars |
| Khumar | Millstone cutters, a small caste |
| Khurasani | Shaikh section |
| Khwaja-Mansuri | Subcaste of Khatiks |
| Kingariya | Caste of singers and dancers |
| Kirar | Agricultural caste |
| Kisan | Caste of cultivators |
| Koeri | Caste of cultivators, mostly market gardeners |
| Kol | Jungle and labouring tribe |
| Koli | A group of hill- Doms |
| Kori | Caste of weavers |
| Korwa | Jungle ; tribe |
| Kshatriya | A warna' the Aryan ruling and military class |
| Kumhar | Caste of potters |
| Kunchband, Kunchbandhiya | Subcaste name (Kanjar and Beriya) |
| Kunera | Caste of turners |
| Kunjra | Caste of greengroeers |
| Kurmi | Important agrieultural caste |
| Kurmiya | Ahir subcaste |
| Kuta | Banjara subdivision |
| Kuta-Banjara | Anewly formed caste of carriers and cultivators |
| Kuta-Mali | Caste of rice pounders |
| Labana | Subcaste of Banjaras |



| | |
|---|---|
| Pachhami | 'Western'; subcaste name |
| Pachpiriya | 'Followers of Panchpir; subcaste name |
| Pahari, Pahariya, Pahri | Caste or tribe of watchmen; group of hills Domd |
| Panchdravid | One of two large groups of Brahmans (the southern group) |
| Panchguar | One of two large groups of Brahmans (the northern gorup) |
| Pande | Brahman title |
| Panka | Caste of weavers |
| Pankhiya | Group of Muhammadam cultivators |
| Pant | Lit. 'religious order'; class of Brahmans in the hills |
| Panzar | Rajput sept |
| Parohiya | Jungle tribe |
| Parhar | Rajput sept |
| Parki | Makers of wooden vessels; group of hill-Doms |
| Pasi | Tribal caste: formerly toddy-drawers, now labourers, agriculturists, menials and theves |
| Patait | Exogamous section amongst Bhars |
| Patari | Tribe of aborginal priests |
| Pathak | Lit. 'a preceptor'; class or title of Brahmans |
| Pathan | Class of Muhammadans |
| Paturiya | Caste of singers and dancers |
| Patwa | Caste of braid makers |
| Pauri | A group of hill-Doms |
| Phandiya | A group of hill-Doms |
| Phansiya | New caste fo fruitsellers |
| Phulrai | Section of Brahmans in hills |
| Pirada | Section of both Saiyids and Shaikhs |
| Poldar | Subcaste of Khatiks |

| | |
|---|---|
| Mehtariya | Subcaste fo Dhuniyas |
| Meo | Tribe of cultivators |
| Mawafarush | Subcaste of fruisellers |
| Milki | Shaikh section |
| Mina | Sec Meo |
| Mirasi | Caste of singers and mussicians. ALso called Dom Mirasi |
| Mochi | Caste of cobblers and shoemakres |
| Moghul | (i) Class of Muhamundans; (2) name given to the Tartar invaders of India; (3) dynasty founded by Babar |
| Mohmoud | Pathan tribe |
| Mahammudzui | Pathan tribe |
| Mukeri | Subcaste of Banjaras |
| Mula | New Muhammadan caste |
| Murao | Caste of cultivators |
| Musahar | Tribe of juhngle dwellers |
| Nagar | Subcaste of Brahmans |
| Nai | Caste of barbers |
| Naik | Subcaste of Banjaras |
| Namdeobansi | Subcaste of Chhipis |
| Nanakshani | Subcaste name |
| Nandbansi | Subcaste name |
| Naqwi | Saivid section |
| Nat | Vagrant tribe of acrobats, dancers, etc. |
| Nikhad | Subcaste name |
| Nikhar | Gadariya subcaste |
| Ojha | Subcaste of Brahman diviners and exercise |
| Oraksai | Pathan tribe |
| Orh | Caste of weavers and petty tradesmen |
| Oswal | Caste of Vaisya merchants |
| Pachhada | Exogamous section of Bawariya caste |



| | |
|---|---|
| Kathiyaru | Caste of bricklayers |
| Kausik | (1) Rajput sept ;(2) name of a gotra |
| Kayastha | Caste of writers |
| Kayastha- Bharbhunja | New caste, of kayasthas who have takan to grain- parching |
| Kayastha-Darci | New caste, of Kayasthas who have become tailors |
| Kayastha- Mochi | New caste, of Kayasthas who have taken to saddlery |
| Kayastha-Senduriya | Neq caste of Kayasthas who seil red lead |
| Kayasthbans | 'Of Kayastha stock'; subcaste name Saiyid section |
| Kasimi | Saiyid section |
| Kawat | Caste of fishermen and boatmen |
| Khagar | See Khangar |
| Khagi | (1) Caste of agriculturists ; (2) exoga mous section of Bawariyas |
| Khagi-Chauhan | Mixed caste of cultivators |
| Khaikut | A section of hill-Doms |
| khairwa | Tribe of catechu makers |
| Khalil | Pathan tribe |
| Khandelwal | Caste of Vaisya merchants and traders |
| khangar | Caste of village watchmen and menials |
| khanzada | Sept of Muhammadan Rajputs |
| Khapariya | Beggars and pedlars |
| Kharadi | 'Turner' ; subcaste name |
| Khare | 'Pure' as opposed to 'half- breed' ; used as sectional name in various castes (e.g. Sansiya) |
| Kharot | Caste of mat makers |
| Kharwar | Agricultural tribe |
| Khas | Section of Kayasthas |
| Khasiya | Subcaste of Brahmans and Rajputs in the hills |
| Khatak | Pathan tribe |

| | |
|---|---|
| Purabi | 'Easter': subcaste name |
| Qadiriya | Section of Saiyids |
| Qalandar | Caste of vagrant bear and monkey leaders |
| Qassab, Qassaiya | Caste of butchers |
| Qidwai | Shaikh section |
| Qisibash | Moghul section |
| Qureshi | (i) Arab tribe to which Muhammad be-longed; (ii) Shaikh Section |
| Rachbandhiya | Subcaste of various gipsy tribe |
| Radha | Caste of singers and dancers |
| Raheari | Caste of camel drivers |
| Raikwar | Rajput sept |
| Rain | Caste of cultivators |
| Rajbhar | Subcaste of Bhars |
| Rajgar | Subcaste fo Khatiks |
| Raji | Jungle tribe |
| Rajput | Warrior and landowning caste |
| Ramaiya | Caste of pedlars |
| Ranghar | Sept. of Muhammadan Rajputs |
| Rasoiya | Section of Khasiya Brahmans |
| Rastogi | Subcaste of Vaisya merchants |
| Rasya | Subcaste of Khasiya Brahmans |
| Rathor | Rajput sept |
| Rauniyar | Caste of traders, mostly in sugar and salt |
| Rind | Criminal tribe |
| Ringwara-Rawat | Sept of hill Rajputs |
| Riwi or Razwi | Saiyid section |
| Rohilla | Lit. 'hillmen'; Pathan tribe, or group of tribes, resident in Rohikhand |
| Ror | Caste of cultivators |
| Ruhela | See Rohilla |
| Ruria | Basket-makers; group of hill-Doms |



| | |
|---|---|
| Sadh | Originally a unitarian sec,t now sectarian caste |
| Sahariya | Tribe of jungle dwellers |
| Saini | Caste of cultivators |
| Sainthwar | New caste of cultivators, separated from the Kurmis |
| Saiqalgar | Caste of armourers and knife grinders |
| Saiyid | Division of Muhammadans, descendants of Ali and Fatima |
| Sakarwar | Rajput sept |
| Saksena | Subcaste of Kayasthas |
| Saklina | Murao subcaste |
| Sanadh | Subcaste of Brahmans |
| Sanaurhiya | Criminal tribe |
| Sani | Subcaste of Baghbans |
| Sansiya | Vagrant criminal tribe |
| Saraswat | Subcaste of Brahmans |
| Sarki | Workers in leather; a group of hill-Doms |
| Sarola | Group of hills Brahmans |
| Sarwariya | Subcaste of Brahmans |
| Satnami | Another name for the Sadh caste |
| Sejwari | Caste of domestic servants |
| Senapanthi | Subcaste of Nais |
| Seth | Section of Bishnois |
| Shaikh | (i) One of the principle Muhammadan divi-sions; (ii) Seth, q.v. |
| Shaikh-Mehtar | Subcaste of Bhangis |
| Shershai | Subcaste name, from the Afghan king Sher Shah |
| Siddiqi | Section of both Shaikha and Saiyids |
| Singhariya | New caste of groundnut growers |
| Singiwala | Subcaste of Nats |

| | |
|---|---|
| Sairi | A caste of labourers |
| Solanki | Rajput sept |
| Sombansi | Rajput sept |
| Smbatta | Subcaste of Khatiks |
| Sonar | Caste of goldmiths |
| Sonkhar | Subcaste of Khatiks |
| Srivastara | Subcaste of Kayastha and other caste |
| Sudra | A varna. The Aryan labouring adn menial class |
| Sulaimani | Shikh section |
| Swang | 'Master' (slang); subcaste of Barwars |
| Taga | Caste of landowners and agricultures |
| Taihal | Subcaste of Khatiks |
| Tajik | (i) A Moghul section, (ii) name given to original Persiar inhabitants of Afghanistan by the Muslims |
| Tamboli | Caste of betel growers and sellers |
| Tamta | Coppersmiths; a group of hill-Doms |
| Tank | Subcaste of Sonars |
| Taqwi | Saiyid section |
| Tarin | Pathan tribe |
| Tarkihar | Caste of makers of ornaments |
| Tawaif | Caste of dancers and prostitues |
| Teli | Caste of oil-pressers and general traders |
| Teliyabans | 'Of Teli stock'; subcaste name |
| Thakur-Arakh | Mixed caste inCawnpore |
| Tharm | Tribe residing in the Tarain; agricultures |
| Thathera | Caste of brass workers |
| Tilam | A Barwar subcaste |
| Tirwa | Tinsmiths and knife grinders; a group of hills-Dooms |
| Todar Mali | Subcaste name, from, Akbar's minister, Raja Todar Mal |



| | |
|---|---|
| Tomar | Rajput sept |
| Turai | Subcaste of Bawariyas |
| Turaih | Bhangri subcaste, probably now a caste |
| Turi | Trumpeters; a group of hill-Doms |
| Turk | A caste of agriculurists |
| Turkiya | Subcaste of Banjaras |
| Turkman | Moghul section |
| Umar | Caste of Vaisya dealers and traders |
| Enyal | Section of Gangari hill Brahmans |
| Upadhya | Brahman title |
| Usmami | Shaikh section |
| Uttam | ahir subdivision |
| Uabak or Usbeg | (i) Turki tribe; (ii) a Moghul section |
| Vaisya | A varna; the Arya middle class |
| Yusufai | Pathan tribe |
| Zaidi | Saiyid section |

**PRINCIPLE—AUTHORITIES**


1. Croobe, Tribes and caste of the N.W. P and Qudh 1806. P.
2. Census Reports U.P. 1901 and 1911.
3. Rose, Glossary of the Tribes and Caste of The Punjab and N.W.F., P. 1911
4. Elphistone, History of India.
5. Risby, Census Report of India, 1901
6. The cast system of Narthern India chapter V. Page 118 S.N. 149 and Page 342 to 356 Ch. Man Singh Ror labhnor,

# परिशिष्ट - 9

1. Rors are mosly Hindus, there being only 308 sikh. They have been returned from the Rahtak, Delhi, Karnal Districts and Jind State those returned from Ambala being immigration. The real seat of that trible is in the great Dhak jungles south of the thanesar in the Karnal District. Their Chief occupation is agricultural trible in the districts of Rohtak, Delhi and Karnal

| | |
|---|---|
| Population | 41431 |
| Man | 23121 |
| Female | 18310 |

Sec.CR 1881 Para 484

Sec.Pandit Haribrishan Kaul Census of India 1911 Vollume XIV, P. 474

2. The Ror cost : The real seat of the Punjab Rors is in the great dhak jungles south of the Thanesar on the boarders of the Karnal and Ambala District consisting of 84 villages of Amin. Where the pandavas arranged their forces before their last fight with the Kauravas as the tika or head village. But the Rors have spread down the western jamuna Canal into the lower down parts of the Karnal and its Jind in considerable numbers. They are said also to held 12 villages beyond the Gangas. They are fine stalwart men, their women also worbing in the fields. The Ambala Rors would appear to be mostly sagwal.

**Ror Clans**

| | | | |
|---|---|---|---|
| Sagwal | 1848 | Khichi | 1207 |
| Maipla | 1567 | Jagrain | 1183 |

See- The Races castes and Tribes of teh Punjab in 1883 Page-260

See.-Book Punjab Castes Para No. 476 Page No. 179

See- Ilbetson Repart No 55



# लेखक परिचय

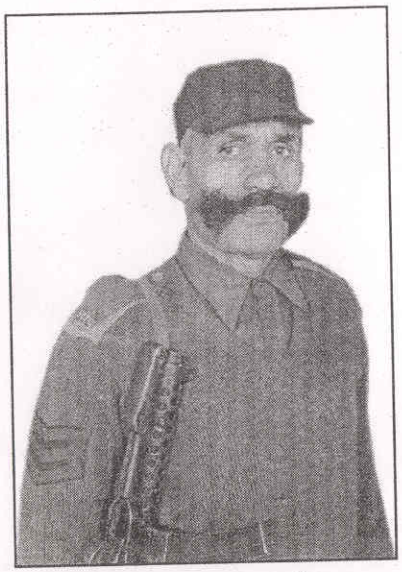



**राम दास रोड़**

(सिम्बला रोड़ान)

शिक्षा : स्नातक, यान्त्रिक अभियन्ता

**-: प्रकाशित सामग्री :-**

1. आर्यवीर रुरू
2. सम्राट धज उर्फ राजा रोड़
3. उषा की लालिमा
4. मनोबल हेतु प्रयास
5. एम०टी० प्रैसी
6. वीर भूमि भारत
7. आर्यवर्त एवं रोड़ वंश

निवास :- मकान नं० 949/7, गली नं०-1, कल्याण नगर मार्किट, बाई पास पेहवा रोड, सामने यूनिवर्सिटी गेट नं० 2, कुरुक्षेत्र (हरियाणा)